हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 304 : जौनपुर, शनिवार 05 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे मोदी

एजेन्सी

झांसी। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) दीपक कुमार सिन्हा ने बताया कि मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, डबरा तथा खजुराहो रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अगस्त को वर्चुअल माध्यम से रखने जा रहे हैं। यहां डीआरएम कार्यालय में पत्रकारों को इस संबंध में जानकारी देते हुए सिन्हा ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 508 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास होना है इसी के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अगस्त को वर्चुअल माध्यम से झांसी, डबरा और खजुराहो रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे। उन्होंने बताया कि झांसी रेलवे स्टेशन का 477/55 करोड़ की लागत से पुनर्विकास और उच्चीकरण का काम किया जाएगा

और इसी के तहत स्टेशन पर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं विकसित की जायेंगी। यह सब आने वाले 50 वर्षों की संभावित जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जायेगा। इसका फ्रंट और बैक व्यू झांसी का किला और रानी महल से प्रेरित है। स्टेशन परिसर में आवागमन की बहुत अच्छी सुविधा विकसित की जायेगी। स्टेशन पर दो एंट्री तैयार की जायेंगी और दूसरी एंट्री के लिए सिटी प्लानर के अनुसार सकुर्लेटिंग एरिया का विकास किया जायेगा। इसके तहत दोनों तरफ बड़ी पार्किंग की भी व्यवस्था की जायेगी। इतना ही नहीं स्टेशन पर 36 लिफ्ट, 19 एस्कलेटर्स और 02ट्रेविलेटर का प्रावधान है। स्टेशन पर पीक आवर्स में यात्री वाहन की क्षमता को 6093 से बढ़ाकर 17061 किया जायेगा। इतना ही नहीं 298 यात्रियों को बैठने की सुविधा देने वाले एससी लॉन्ज के साथ पश्चिमी सकुर्टिंग एरिया में एक नॉनएसी लॉन्ज भी बनाया जायेगा जिसमें 98 यात्रियों के बैठने की सुविधा होगी। स्टेशन पर निर्बाध बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 250 किलोवाट के सोलर पैनल लगाए जायेंगे। गाडियों की समय से जुड़ी सूचना देने के लिए 10 बड़ी वीडियो वॉल बनाई जायेंगी। स्टेशन परिसर को विकसित करने में लोक कला का इस्तेमाल किया जायेगा साथ ही दिव्यांगजनों की सुगमता को ध्यान में रखकर स्टेशन में सुविधाओं का विकास किया जाएगा। सिन्हा ने पत्रकारों के माध्यम से लोगों से अपील की कि 6 अगस्त को होने जा रहे इस कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लें। उन्होंने बताया कि अभी इसका डीपीआर भेजा गया है और इसके बाद टेंडर होगा जिसमें टाइमलाइन निश्चित कर दी जायेगी। संभवतरू 2 से 3 साल में स्टेशन के पुनर्विकास का काम पूरा कर लिया जायेगा। सुबह 9 बजे से 11 बजे तक स्थायीय कला और संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम पेश किए जायेंगे । कार्यक्रम में स्थानीय गणमान्यों को आमंत्रित किया गया है और 11 बजे के बाद प्रधानमंत्री वर्चुअली आधारशिला रखेंगे। इस कार्यक्रम को वीडियो वॉल्स तथा एलसीडी के माध्यम से आमलोगों के बीच प्रसारित किया जाएगा।

सिसोदिया को अंतरिम जमानत देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कथित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की अंतरिम जमानत पर कोई भी निर्देश देने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एस.वी.एन. भट्टी की पीठ ने कहा, अंतरिम राहत और नियमित जमानत अर्जी पर सुनवाई 4 सितंबर को होगी।ष कोर्ट ने मामले को स्थगित करते हुए आदेश दिया। सिसौदिया की ओर से पेश होते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शीर्ष अदालत से सिसोदिया को उनकी बीमार पत्नी से मिलने के लिए अंतरिम जमानत देने का आग्रह किया और कहा कि यह एक मानवीय और वास्तविक मुद्दा है। उन्होंने सिसोदिया की पत्नी की स्वास्थ्य स्थिति से संबंधित मेडिकल रिपोर्ट का हवाला भी दिया। पीठ ने टिप्पणी की, दूसरा पक्ष कह रहा है कि पत्नी पिछले 23 साल से बीमार है। जब हम नियमित जमानत पर सुनवाई करेंगे तो हम इसे (पत्नी की चिकित्सीय स्थिति पर अंतरिम जमानत की याचिका) उठाएंगे। हम इसकी जांच करेंगे।" अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू को जवाब देने के लिए दो हफ्ते का समय दिया गया। 14 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने एक नोटिस जारी किया था और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के उन आदेशों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जांच एजेंसियों से जवाब मांगा था, जिसमें उन्हें सीबीआई और ईडी मामलों में जमानत देने से इनकार कर दिया

गया 3 जुलाई को, दिल्ली हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने मनीष सिसोदिया को यह कहते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया था कि वह धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जमानत देने की दोहरी शर्तों और ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। 7 जुलाई को ईडी ने कहा कि उसने दिल्ली शराब नीति मामले के सिलसिले में मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी और कुछ अन्य आरोपी व्यक्तियों की 52.24 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। इस साल 26 फरवरी को सीबीआई ने सिसौदिया को गिरफ्तार किया और फिर ईडी ने 9 मार्च को उन्हें गिरफ्तार किया।

राजधानी में 27 जिलास्तरीय नोडल को दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

एजेन्सी

लखनऊ। प्रदेश में एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) के तीन लाख बीस हजार छात्र–छात्राओं को फाइलेरिया उन्मूलन के लिए प्रशिक्षित करने का प्रथम चरण शुरू हो गया है। फाइलेरिया उन्मूलन तहत राजधानी स्थित एक होटल में शुक्रवार को 27 जिलास्तरीय नोडल को प्रशिक्षण दिया गया। यह सभी नोडल अब अपने जिलों के छात्र–छात्राओं को प्रशिक्षित करेंगे। प्रशिक्षण सत्र में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ वीपी सिंह ने कई अहम जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त से प्रदेश में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान शुरू हो रहा है। यह दवा खाली पेट नहीं खानी है। दवा स्वास्थ्य टीम के सामने ही खानी है। इस बीमारी के लक्षण पांच से 15 वर्ष बाद दिखते हैं इसलिए अगर यह बीमारी है तो भी आपको शुरू में पता नहीं चल पाएगा। जब लक्षण दिखेंगे तब इसका कोई इलाज नहीं होगा। इसलिए इससे बचाव ही संभव है। उन्होंने कहा कि दवा न खाने के लिए कोई बहाना न बनाएं। साल में एक बार की गलती आपको दिव्यांग बना सकती है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के दौरान बीएमजीएफ (बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन) के डॉ भूपेन्द्र त्रिपाठी ने फाइलेरिया वैश्विक परिदृश्य की जानकारी दी। उन्होंने 24 देशों की स्थिति के सापेक्ष भारत की स्थिति के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मच्छर जब किसी फाइलेरिया ग्रस्त को काटता है तो फाइलेरिया के परजीवी यानी माइक्रोफाइलेरिया मच्छर के रक्त में पहुंच जाते हैं और यही मच्छर जब किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है तो फाइलेरिया के परजीवी स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित कर देते हैं। संक्रमित व्यक्ति में फाइलेरिया का परजीवी हर दिन 50 हजार नए माइक्रोफाइलेरिया पैदा करता है। इसलिए दवा खाएं और दूसरों को भी खाने के लिए प्रेरित करें।

डॉ मंजू सिंह, राज्य संपर्क अधिकारी, एनएसएस ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के तीन लाख बीस हजार एनएसएस के छात्र–छात्राओं को फाइलेरिया उन्मूलन के लिए प्रशिक्षित करने की योजना का यह पहला कदम है। आगे हम इसे स्कूलों में भी ले जाएंगे। उन्होंने युवा वर्ग से अपील की है कि फाइलेरिया उन्मूलन में सहयोग करें। इस मौके पर फाइलेरिया नेटवर्क के सदस्य गंगाप्रसाद और बिटटो देवी ने स्वयं के फाइलेरिया ग्रस्त होने से लेकर देखभाल तक के सफर के बारे में विस्तार से बताया।

गैंगरेप के बाद मर्डर कर बच्ची को कोयला भट्टी में जला दिया, राजस्थान में दहला देने वाली वारदात

एजेन्सी

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में 14 साल की एक किशोरी की कथित रूप से हत्या कर उसके शव को कोयले की भट्टी में जलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि किशोरी के साथ बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई और शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे भट्टी में फेंक दिया गया। पुलिस इस मामले में वहां भट्टियों में कोयला बनाने वाले कालबेलिया जनजाति के पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामले पर संज्ञान लेते हुए राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष संगीता बेनीवाल ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है जो तथ्य जुटाकर अध्यक्ष को रिपोर्ट देगी। बेनीवाल ने अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी–नागरिक अधिकार) और भीलवाड़ा के पुलिस अधीक्षक को मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने के लिए पत्र लिखा है। वहीं, विपक्षी दल भाजपा ने घटना को लेकर सरकार पर हमला बोला मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। भाजपा ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी बनाई है। पुलिस ने बताया कि लड़की बुधवार देर रात को घर से लापता हुई। उसने बताया कि आसपास में स्थित कोयला बनाने वाली भट्टियों में से एक के पास उसके जूते मिले हैं और अंदर झांकने पर उन्हें उसकी चुड़ियां और कुछ हड्डियां मिलीं हैं। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने कालबेलिया खानाबदोश जनजाति के कुछ लोगों को अपराध में शामिल होने के संदेह में पकड़कर पुलिस को सौंपा है। कोटड़ी के थानाधिकारी ने बताया कि खानाबदोश समुदाय के चार–पांच लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि कुल पांच भट्टियां में से एक भट्टीचल रही थी। उन्होंने बताया, ''स्थानीय लोगों ने एक भट्टी में आग देखी। आमतौर पर, भट्टी पूरी तरह से ढकी होती है लेकिन भट्टी खुली हुई थी। स्थानीय लोग वहां पहुंचे और उन्हें वहां लड़की का कंगन मिला और हड्डियां बरामद की गईं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल को छोड़कर अन्य चार भट्टियों को आज ध्वस्त कर दिया गया। गांव में पहुंचे भाजपा नेता कालूलाल गुर्जर ने पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की और आरोप लगाया कि लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया और उसके शव को भट्टी में जला दिया गया। गुर्जर ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई नहीं की और ग्रामीणों द्वारा पकड़े जाने के बाद ही संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि उन्होंने अभी तक इस मामले में दुष्कर्म की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता और जांच जारी है।

राज्यसभा में राजस्थान-मणिपुर पर हंगामा, बैठक स्थगित

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राज्यसभा में शुक्रवार को सत्ता पक्ष ने राजस्थान में 'कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति' पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा किया, वहीं विपक्ष ने मणिपुर मुद्दे पर नियम 267 के तहत दिए गए कार्यस्थगन नोटिस को स्वीकार करने की मांग करते हुए नारेबाजी की। हंगामे की वजह से राज्यसभा की कार्यवाही एक बार के स्थगन के बाद दोपहर करीब 12.05 बजे पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने राजस्थान के मुद्दे पर हंगामा किया। भाजपा के सदस्य राजस्थान में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या की घटना का जिक्र कर रहे थे। सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा, 'राजस्थान की स्थिति को लेकर सभी सदस्य चिंतित हैं। जिस प्रकार वहां दिनदहाड़े हमारी छोटी बेटियों, बच्चियों के साथ अलग–अलग प्रकार से दुर्व्यवहार हो रहा है, उसके ऊपर अवश्य सदन को विचार करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि राजस्थान की स्थिति पर चर्चा के लिए नियम 176 के तहत कुछ सदस्यों ने नोटिस दिया है और सरकार उस पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि राजस्थान की गंभीर समस्या पर, ध्वस्त कानून और व्यवस्था पर३ इस पर जरूर सदन में चर्चा होनी चाहिए।' इसके बाद सभापति ने विपक्ष के नेता मल्लिार्जुन खड़गे को बोलने का मौका दिया। लेकिन जैसे ही खड़गे खड़े हुए, सत्ता पक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। सभापति जगदीप धनखड़ ने सदन के नेता गोयल से व्यवस्था बनाने का आग्रह किया। इसके बावजूद हंगामा जारी रहने पर सभापति ने कहा, 'यह तरीका सही नहीं है।' उन्होंने कहा कि पीयूष गोयल को सभी ने सुना, अब सभी लोग विपक्ष के नेता को सुनें।

चालू सत्र में पराली जलाने के मामलों को 'शून्य करने का लक्ष्य : तोमर

एजेन्सी

नयी दिल्ली केंद्र ने चालू सत्र में धान की पराली जलाने के मामलों को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में काम करने का लक्ष्य तय किया है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को यह बात कही। इस सिलसिले में उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली की सरकारों ने बृहस्पतिवार को एक अंतर–मंत्रालयी बैठक में धान की पराली जलाने से रोकने के लिए अपनी कार्ययोजना और रणनीतियां प्रस्तुत कीं। धान की कटाई के बाद बचे हुए अवशेषों को आग लगाने की प्रक्रिया को पराली जलाना कहा जाता है। यह अक्टूबर और नवंबर में मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में एक आम बात है। तोमर ने कहा, ''मौजूदा सत्र में पराली जलाने को पूरी तरह बंद करने की दिशा में काम करने का लक्ष्य है।

मणिपुरः भीड़ ने पुलिस शस्त्रागार से लूटे हथियार

एजेन्सी

इंफाल मणिपुर में पुलिस शस्त्रागार से हथियार लूटे जाने की एक और घटना सामने आई है। ताजा मामले में भीड़ ने बिष्णुपुर जिले के नारानसीना स्थित द्वितीय इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के मुख्यालय में घुसकर, विभिन्न बंदूकों की 19,000 राउंड से अधिक गोलियां, एके शृंखला की एक असॉल्ट राइफल, तीन 'घातक' राइफल, 195 सेल्फ–लोडिंग राइफल, पांच एमपी–4 बंदूक, 16.9 एमएम की पिस्तौल, 25 बुलेटप्रूफ जैकेट, 21 कार्बाइन, 124 हथगोले सहित अन्य हथियार लूट लिए। अधिकारियों ने बताया कि चुराचांदपुर की ओर मार्च करने के लिए बहुसंख्यक समुदाय एक भीड़ नारानसीना में इकट्ठा हुई थी, जहां आदिवासी राज्य में तीन मई को भड़की जातीय हिंसा में मारे गए समुदाय के लोगों को सामूहिक रूप से दफनाने की योजना बना रहे थे। आदिवासियों द्वारा जातीय संघर्ष में मारे गए लोगों को सामूहिक रूप से दफनाने की योजना ने राज्य में नये सिरे से तनाव पैदा कर दिया है। बहुसंख्यक समुदाय इस योजना का विरोध कर रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि भीड़ जुटने पर लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद बृहस्पतिवार को बिष्णुपुर जिले के कांगवई और फौगाकचाओ में शवों को दफनाए जाने वाले स्थल की ओर निकाले जा रहे जुलूस को रोकने के लिए सेना और त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। इस दौरान हुई इड़पों में 25 से अधिक लोग घायल हो गए।

गठबंधन के लिए 'इंडिया' के इस्तेमाल के खिलाफ याचिका, जवाब तलब

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने विपक्षी दलों को उनके गठबंधन के लिए 'इंडिया' शब्द का इस्तेमाल करने से रोकने का अनुरोध करने वाली याचिका पर शुक्रवार को केंद्र सरकार, निर्वाचन आयोग और 26 राजनीतिक दलों से जवाब मांगा। आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा का मुकाबला करने के लिए 26 विपक्षी दलों ने कर्नाटक के बेंगलुरु में 17–18 जुलाई को आयोजित अपनी बैठक में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) नामक गठबंधन बनाने की घोषणा की थी। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति अमित महाजन की पीठ ने केंद्रीय गृह मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत निर्वाचन आयोग तथा 26 राजनीतिक दलों को नोटिस जारी करते हुए कहा कि मामले पर सुनवाई किए जाने की जरूरत है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने इस स्तर पर कोई भी अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया और कहा कि प्रतिवादियों की दलीलें सुने बिना कोई आदेश पारित नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता गिरीश भारद्वाज ने यह भी आग्रह किया गया है कि राजनीतिक गठबंधन को 'इंडिया' शब्द के साथ राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल करने की इजाजत भी न दी जाए। याचिका में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयानों का जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया है, '३राहुल गांधी ने हमारे राष्ट्र का नाम घसीटकर बहुत ही चालाकी से अपने गठबंधन का नाम हमारे राष्ट्र के नाम के रूप में पेश किया और यह दिखाने की कोशिश की कि राजगधभाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे ही देश यानी भारत के खिलाफ खड़े हैं। राहुल गांधी के इस प्रयास ने आम लोगों के मन में भ्रम पैदा कर दिया कि 2024 के आम चुनाव राजनीतिक दलों के बीच या गठबंधन और हमारे देश के बीच की लड़ाई होंगे।'

एक सप्ताह तक मनेगा स्वंत्रतता दिवस का जश्न

एजेन्सी

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के संबंध में जश्न ए आजादी ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक इरम डिग्री कॉलेज में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता जश्न ए आजादी ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष सुप्रसिद्ध समाजसेवी मुरलीधर आहूजा ने की।कार्यक्रम का संचालन वामिक खान ने किया।इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि जिस तरह से सभी धर्मों के लोग अपने मुख्य त्योहार होली दिवाली, बकरीद, गुरु पर्व, क्रिसमस को मनाते हैं उसी तरह से जनता को राष्ट्रीय पर्वों को भी धूमधाम से मनाना चाहिए।15 अगस्त 26 जनवरी हमारे राष्ट्रीय पर्व हैं। मुरलीधर ने बताया कि 10 अगस्त से जश्न ए आजादी ट्रस्ट द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों की मूर्तियों की सफाई के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हो जाएगी। 13 अगस्त को शहीद स्मारक पर उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के बैनर तले 75 मोमबत्ती जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। मुरलीधर आहूजा ने कहा कि 15 अगस्त को दोपहर 1.05 बजे हजरतगंज में व्यापार मंडल के सहयोग के साथ जश्न ए आजादी ट्रस्ट और अन्य संस्थाएं झंडारोहण करके आजादी के पर्व को मनाएगी।16 अगस्त को जो झंडे शहर में इधर उधर फैले हुए मिलेंगे उनको इकट्ठा करके सम्मान पूर्वक सुरक्षित रखा जाएगा।इस बैठक में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष वामिक खान ने सन 2022 के साथ स्वतन्त्रता दिवस और 2023 के गणतंत्र दिवस की रिपोर्ट पेश की। ट्रस्ट के पदाधिकारी मुर्तुजा अली ने कहा कि जब हम लोग अपने धार्मिक कार्यक्रम त्योहारों को अच्छी तरह से मनाते हैं उसी तरह राष्ट्रीय पर्व में भी सामूहिक रूप से धूमधाम से मनाने के लिए तन मन धन से सहयोग करना चाहिए।

सहारा की योजनाओं में फंसे 112 छोटे निवेशकों को 10-10 हजार रुपए जारी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सहारा समूह की चार सहकारी समितियों के करोड़ों जमाकर्ताओं की गाढ़ी कमाई लौटाने की प्रक्रिया शुरू की।

इसके पहले चरण के तहत उन्होंने 112 छोटे निवेशकों को 10–10 हजार रुपए की पहली किस्त जारी की। शाह ने कहा कि अबतक 18 लाख जमाकर्ताओं ने 'सीआरसीएस–सहारा रिफंड पोर्टलश पर पंजीकरण कराया है। इस पोर्टल की शुरुआत 18 जुलाई को हुई थी।

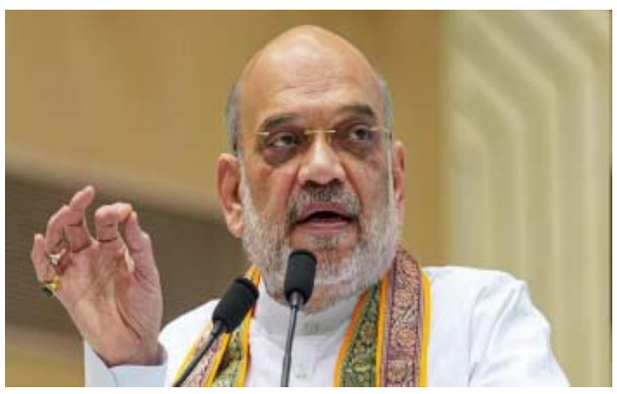

उन्होंने धनराशि जारी करने के बाद कहा, ''अबतक 18 लाख निवेशकों ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है... आज 112 निवेशकों में प्रत्येक के बैंक खाते में लगभग 10,000 रुपए स्थानांतरित किए गए हैं। शाह ने कहा कि ऑडिट पूरा होते ही धनराशि की अगली किस्त जल्द ही हस्तांतरित की जाएगी। उन्होंने जमाकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा, ''मैं भरोसा देना चाहता हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले दिनों में सभी जमाकर्ताओं को उनकी धनराशि मिल जाएगी।

शाह ने कहा कि यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि निवेशकों का धन सुरक्षित रहे और उन्हें वापस मिले। उन्होंने कहा कि प्रबंधन की गलती और अदालती मुकदमों में देरी के कारण सहारा के जमाकर्ताओं को पिछले 12–15 वर्षों से उनका धन वापस नहीं मिल रहा था। शाह ने सेबी–सहारा फंड से 5,000 करोड़ रुपए हासिल करने के लिए सहकारिता मंत्रालय के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि मंत्रालय ने इस मुद्दे पर सीबीआई और आयकर विभाग सहित सभी संबंधित सरकारी निकायों को साथ लाने की पहल की। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय से अपील की गई कि धन पर पहला अधिकार छोटे निवेशकों को मिलना चाहिए।

सम्पादकीय

नफरती बोल

ये विचित्र बात है कि जिन विषम परिस्थितियों में सरकारों को जिम्मेदार व जवाबदेह भूमिका निभानी चाहिए, उसमें वे असहाय नजर आती हैं। हर बार इसके लिये देश की शीर्ष अदालत को निर्देश देने पड़ रहे हैं। राज्य व देश में स्थितियां शांतिपूर्ण रहें और सार्वजनिक जीवन उपद्रवमुक्त हो, यह सरकारों का पहला कर्तव्य होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता तो विधायिका और कार्यपालिका की भूमिका पर सवाल उठना लाजिमी है। हरियाणा के नूंह व अन्य स्थानों पर हुई हिंसा के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार समेत हरियाणा, उत्तर प्रदेश व दिल्ली की सरकारों को निर्देश दिये हैं कि घटनाओं के विरोध में होने वाले विरोध प्रदर्शन के दौरान सुनिश्चित किया जाये कि नफरती भाषण न होने पाएं। कोर्ट का मानना है कि विरोध प्रदर्शन और अपनी बात कहना हर नागरिक का हक है, लेकिन सीमाओं का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को भी कहा। साथ ही प्रदर्शन के दौरान वीडियोग्राफी करने के भी निर्देश दिये हैं ताकि उपद्रव करने वालों की शिनाख्त की जा सके। निस्संदेह, दोषियों को सजा दिलाने के लिये तथ्यों का प्रमाणीकरण बेहद जरूरी है। बदलते वक्त के साथ तकनीक के इस्तेमाल से हम अपराधियों की शिनाख्त बेहतर ढंग से कर सकते हैं। इस बात का ध्यान तो खुद पुलिस–प्रशासन के अधिकारियों को रखना ही चाहिए। इसके लिये हर बार कोर्ट की तरफ से निर्देश देने की जरूरत क्यों पड़ती है, यह तथ्य विचारणीय है। जाहिर है कानून व्यवस्था को बनाये रखना पुलिस व प्रशासन का विभागीय व नैतिक दायित्व भी है। एक तरह से जुलूस व प्रदर्शनों के जरिये आमतौर पर शक्ति प्रदर्शन ही किया जाता रहा है। लेकिन चिंता की बात यह है कि कालांतर में यह सब–कुछ अराजक तत्वों के हाथों में चला जाता है। फिर एक समय स्थिति इतनी विकट हो जाती है कि पुलिस–प्रशासन भी लाचार नजर आता है। जैसा कि नूंह में हुई हिंसा के बाद पुलिस अपना ही बचाव करती नजर आई। निश्चित रूप से किसी भी समाज में हिंसा किसी मकसद का विकल्प नहीं हो सकती। ऐसे मौकों पर जनप्रतिनिधियों की जो महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए, वो अक्सर नजर नहीं आती। पुलिस को पहले से ही ऐसे प्रदर्शनों पर कड़ी निगाह रखनी चाहिए, तकनीक के जरिये उपद्रवियों की पहचान सुनिश्चित करनी चाहिए। सुरक्षा बलों की संख्या उपस्थित भीड़ की स्थिति देखकर तय की जानी चाहिए। विश्वास किया जाना चाहिए कि सुप्रीमकोर्ट के निर्देश के बाद अधिकारी अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वाह करेंगे। वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी उठता है कि आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने के बाद भी लोग इतने विवेकशील क्यों नहीं बन पाए हैं कि वे आसानी से नफरती बोलों के फेर में फंस जाते हैं? क्यों वे अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं करते हैं कि उनकी प्रतिक्रिया का समाज व देश पर क्या असर पड़ेगा? क्यों उन्हें अहसास नहीं होता है कि भड़काऊ बयानों से उन्हें भड़काकर राजनीतिक स्वार्थसिद्धि का उपक्रम जारी है। आज के दौर में जब कोरोना संकट से उबरे देश में रोजी–रोटी के संघर्ष जटिल हो गये हैं, हम क्यों इन संकीर्णताओं में उलझकर अपना व देश का नुकसान कर रहे हैं। लोगों को यह भी समझ में आना चाहिए कि हिंसा–नफरत का जवाब हिंसा–नफरत से नहीं दिया जा सकता। समाज में शांति व सद्भाव की स्थापना जहां हर नागरिक का दायित्व है, वहीं उसके विकास के लिये भी जरूरी है। यह हमारे नागरिक कर्तव्यों में शामिल भी है। साथ ही ये हमारा नैतिक दायित्व भी है। हमारा यह दायित्व हर धर्म के नेता व राजनेता के विषैले बोलों के विरुद्ध होना चाहिए। अक्सर ऐसा भी होता है कि कई घातक बयान, जो मीडिया की सुर्खी नहीं बनते, वे अक्सर नजरअंदाज कर दिये जाते हैं। ऐसे किसी भी अभिव्यक्ति का अतिक्रमण करने वाले बयान का नोटिस लेकर शासन प्रशासन को स्वतरू कार्रवाई करनी चाहिए। अब चाहे वह व्यक्ति किसी भी धार्मिक समूह या वैचारिक समूह का अगुवा क्यों न हो। कोर्ट, पुलिस–प्रशासन व सरकार से पहले यदि हम अपने नागरिक दायित्वों का निर्वहन करें तो हर जहरीले बोल नाकाम हो जाएंगे।

आज का राशिफल

मेष :– आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

वृषभ :– मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुन :– लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्क :– कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंह :– आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्या :– आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुला :– व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक :– आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनु :– आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकर :– व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभ :– आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीन :– गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

गैर जिम्मेदारी की पराकाष्ठा

मेवात दंगों में झुलस रहे हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर के उस बयान को गैरजिम्मेदारी की पराकाष्ठा ही माना जायेगा जिसमें उन्होंने कहा है कि श्सरकार सभी लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी नहीं ले सकती। प्रदेश की कानून–व्यवस्था के मामले में नाकाम और लाचार दिखलाई पड़ रहे श्री खट्टर का बयान उनकी जनसुरक्षा के प्रति घोर लापरवाही को भी दर्शाता है जो राज्य के नागरिकों के प्रति बुनियादी कर्तव्य है। मुख्यमंत्री खट्टर ने बुधवार को साफ कहा कि श्इसके लिए हमें माहौल को सुधारना पड़ेगा। हर व्यक्ति की सुरक्षा न पुलिस कर सकती है, न ही सेना कर सकती है। इसके लिए सामाजिक सद्भाव ठीक करना पड़ेगा।श्वे तो यहां तक कह गये कि श्किसी भी देश में आप चले जाएं हर आदमी की सुरक्षा वहां की पुलिस नहीं कर सकती पर इसके लिए वैसा माहौल बनाना पड़ता है। वैसे वे यह भूल गये कि सामाजिक सद्भाव को ठीक करना भी सरकार की ही जिम्मेदारी होती है।

मुख्यमंत्री का बयान स्तब्धकारी तो है लेकिन वह भारतीय जनता पार्टी की प्रशासन पद्धति के अनुरूप है जो हर अच्छी बात का श्रेय लेने में तो पीछे नहीं रहती परन्तु किसी भी असफलता से पल्ला झाड़ लेती है। पिछले 9 वर्षों से अधिक समय तक केन्द्र में सरकार चलाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सम्भवतरू भाजपा प्रशासित सारे राज्यों के मुख्यमंत्रियों के लिये प्रेरणा स्रोत हैं। देश के अपूर्ण लक्ष्यों के लिये अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों को सभा–सम्मेलनों में दोषी ठहराने वाले मोदी अपनी नाकामियों पर या तो चुप्पी साध लेते हैं अथवा उनका ठीकरा विपक्ष पर फोड़ते हैं। भाजपा सरकार का एक दशक का इतिहास अनेकानेक असफलताओं की जिम्मेदारियों से भागने या उनका दोषी दूसरों को बताने का रहा है। इसी का अनुसरण भाजपा की राज्य सरकारें करती हैं। नोटबन्दी और जीएसटी जैसे अविवेकपूर्ण निर्णयों से हुई देश की बदहाली का उत्तरदायी कोई नहीं है। यहां तक कि यह निर्णय किस प्रक्रिया के तहत लिया गया, यह भी अब तक अज्ञात है। कोरोना काल में ऑक्सीजन, दवाओं, बिस्तरों के अभाव में हुई लाखों लोगों की मौत का उत्तरदायी कौन है, यह सवाल भी अब तक अनुत्तरित है।

भाजपा की जिन राज्यों में सरकारें हैं वहां टूटती सड़कें और गिरते पुलों का जिम्मेदार कौन है, इसका जवाब ढूंढ़े से भी नहीं मिलेगा। उन राज्यों में होने वाली भगदड़ों से मरने वालों का जिम्मेदार भी कोई नहीं होता। भरी गर्मी में होने वाली आम सभाओं में दर्जनों लू से मर जाएं या बीमार हो जायें तो भी किसी व्यक्ति, अफसर, विधायक मंत्री

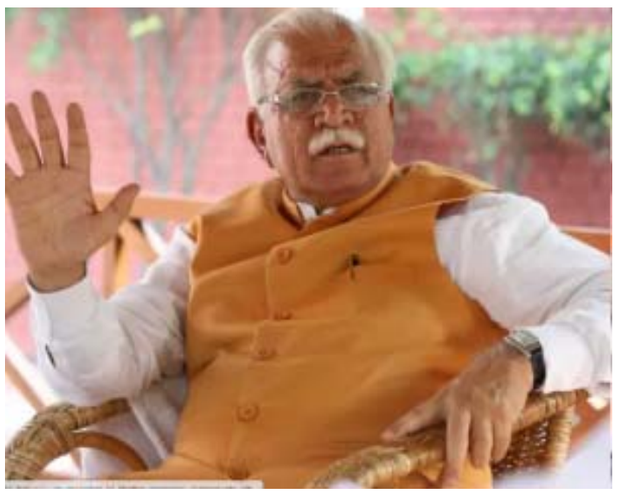

या सरकार को दोषी नहीं ढहराया जा सकता क्योंकि यदि ऐसा किया भी गया तो बचाव में पूरी ट्रोल आर्मी उतर आती है। एक नहीं, सैकड़ों ऐसे मामले हो चुके हैं जिनमें दोषी या अपराधी सामने दिखता है परन्तु वह महफूज रहता है। इसका कारण यही है– उत्तरदायित्वहीनता। हाल की कुछ घटनाएं भी इसी गैर जिम्मेदाराना रवैये की मिसालें हैं। मणिपुर की बात करें तो यहां पिछले कुछ वर्षों से आग सुलग रही थी। कुकी एवं मैतेइयों के बीच चल रही हिंसक झड़पों को पूरी तरह से वहां की सरकार और केन्द्र ने नजरंदाज ही नहीं किया वरन एक पक्ष के साथ खड़े होकर आग को भड़कने दिया। वहां अल्पसंख्यक कुकी लोगों को मारा गया, चर्च जलाये गये परन्तु डबल इंजन की सरकार चुप रही। मामला पहले तो विदेश तक पहुंचा और जब अमेरिका में बड़ी मजबूरी में प्रेस के सामने गये मोदी से इस बाबत प्रश्न किये गये तो उन्होंने यह बताने की बजाय कि उनकी सरकार स्थिति को सुधारने के लिये क्या कर रही है, यह समझाते रहे कि लोकतंत्र भारत के डीएनए में है। उन्हें तो यह बतलाना चाहिये था कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अपने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व विकास के लिये क्या कर रहा है।

देश के इतिहास के भीषणतम दंगों में से एक कहे जाने वाले घटनाक्रम के दौरान का 4 मई का वह वीभत्स वीडियो जब देश–दुनिया के सामने आया तो भी राज्य या सरकार का कोई व्यक्ति सामने नहीं आया। वहां के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने वैसे ही दिखावे का प्रकटीकरण करते हुए सार्वजनिक तौर पर अपना इस्तीफा दिया व प्रायोजित तरीके से एक समर्थक द्वारा फड़वाकर जेब में रख लिया, जैसे मोदी जी ने चलते सत्र में संसद के भीतर बयान देने की बजाय बाहर आकर 36 सेकंड का वक्तव्य दिया जिसमें उन्होंने अपने क्रोध व पीड़ा का इजहार किया था। उसके बाद से आज तक संसद बार–बार विपक्ष की इस मांग को लेकर ठहर रही है कि पूरे घटनाक्रम पर विस्तृत चर्चा हो, लेकिन सत्ता दल इंकार कर रहा है और प्रधानमंत्री राजस्थान में सभाएं कर रहे हैं। तो गृह मंत्री अमित शाह भी बराबरी के जिम्मेदार हैं वे कानून–व्यवस्था सुधारने की बजाय मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में अगले चुनाव की तैयारी बैठकें कर रहे हैं। उलटे, संसद में गतिरोध के लिये भी वे मानते हैं कि विपक्ष ही जिम्मेदार है। अलबत्ता, जहां विपक्षी दलों की सरकारें हैं वहां एक चींटी भी मरे तो पूरी भाजपा, उनके समर्थक, मीडिया को क्षण भर में पता चल जाता है। तभी तो मणिपुर की घटनाओं की तुलना जब अन्य राज्यों से की गई तो सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने केन्द्र को जमकर फटकार लगाई। वैसे केन्द्र की हो या भाजपा की राज्य सरकारें– उन्हें इन सबका रत्ती भर फर्क नहीं पड़ता। इसलिये आश्चर्य नहीं होना चाहिये जब खट्टर जैसे सीएम साफ कर देते हैं कि सभी लोगों को सुरक्षा नहीं दी जा सकती। यह दीगर बात है कि ये उन्हीं मोदी के सबसे विश्वासपात्र लोगों में से एक हैं जो पीएम बनने के पहले कहते थे कि श्मैं हर बात के लिये एकाउंटेबल रहूंगा। एक बच्चा भी मुझसे सवाल कर सकता है और मैं जवाब दूंगा।

हेट स्पीच' को सहन मत करो

सर्वोच्च न्यायालय का केन्द्र व राज्य सरकारों को यह निर्देश कि नफरती बयानों या दो समुदायों के बीच घृणा फैलाने वाले वक्तव्यों पर यथोचित कानूनी कार्रवाई की जाये और विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल की रैलियों पर वीडियो निगरानी रखते हुए पुलिस व सुरक्षा बलों की तैनाती की जाये पूर्णतः समयोचित और राष्ट्रीय एकता के हक में है। हमने हरियाणा के मेवात के इलाके के नूंह व अन्य कस्बों समेत गुरुग्राम में जिस प्रकार की साम्प्रदायिक हिंसा हाल ही में देखी है उससे यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या कुछ लोग धर्म की आड़ में इस देश का शान्ति व सौहार्द समाप्त कर देना चाहते हैं और भारतीय नागरिकों को मजहबी लबादा ओढ़ कर एक–दूसरे का ही दुश्मन बना देना चाहते हैं? यह काम निश्चित रूप से नफरत या घृणा फैलाकर ही किया जा सकता है क्योंकि नफरत से ही हिंसा का उदय होता है। हम यह कैसे भूल जाते हैं कि इस हिंसा का मुख्य कारण एक ऐसा अपराधी सोनू मानेसर है जिस पर दो निरपराध मुस्लिम युवकों को जिन्दा जला देने का गंभीर आरोप है। यदि ऐसा व्यक्ति सावन के महीने में आयोजित होने वाली भगवान शंकर के नलहड़ मन्दिर की शोभायात्रा में शामिल होने का ऐलान करता है तो सबसे पहले हिन्दुओं को ही अपनी धार्मिक यात्रा को कलुष होने से बचाना चाहिए था और इलाके की पुलिस को पूरी सावधानी बरतने के लिए कहना चाहिए था क्योंकि भगवान शंकर तो स्वयं 'गरल पान' के प्रतीक हैं। यदि सोनू मानेसर नलहड़ मन्दिर यात्रा के बहाना मेवात की जनता के बीच साम्प्रदायिक विद्वेश भड़काने की साजिश रच रहा था तो प्रशासन को समय रहते ही चौकन्ना होकर इस प्रयास पर पानी फेर देना चाहिए था परन्तु ऐसा नहीं हो सका और दंगाइयों को सरकारी व निजी सम्पत्ति फूंकने के साथ ही निरपराध लोगों की हत्या करने का अवसर मिल गया। समाज को इन दंगाइयों को पहचानना होगा और चेहरे से धर्म के नकाब को तार–तार करना होगा। मगर क्या सितम हुआ कि गुरुग्राम में ही नकाब ओढ़–ओढ़ कर इन दंगाइयों ने एक विशेष समुदाय के लोगों की दुकानों व आशियानों को फूंका और इसकी जद में कुछ हिन्दुओं की दुकानें व आशियाने भी आ गये? इसी से सिद्ध हुआ कि दंगाई का मजहब से कोई मतलब नहीं होता उसका लक्ष्य केवल समाज में दहशत पैदा करना होता है और एक समुदाय के लोगों को दुश्मन समझना होता है जिससे नफरत और घृणा फैले तथा हिंसा का विस्तार हो। सर्वोच्च न्यायालय ने बहुत पहले आदेश दिया था कि राज्य सरकारों का प्रशासन उन लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की सम्बन्धित धारा के खिलाफ कार्रवाई करे जो दो समुदायों के बीच रंजिश बढ़ाने से जुड़ी हुई हैं। मगर हम देख रहे हैं और अभी तक अनुभव बताता है कि इस मामले में शिथिलता बरती जाती है। यह कितनी बार लिखा जाये कि भारत मुसलमानों का भी उतना ही देश है जितना कि हिन्दुओं का क्योंकि दोनों के पुरखों ने ही इसे विकसित व उन्नत बनाने में अपनी–अपनी भूमिका निभाई है। दोनों का रक्त ही इस मुल्क की मिट्टी में शामिल है। क्या बजरंग दल या विश्व हिन्दू परिषद के लोगों को मेवात के इष्तिहास के बारे में जरा भी जानकारी है? मेवाती मुसलमान ऐसे भारतीय मुसलमान हैं जो अपने हिन्दू पुरखों का पूरा इतिहास अपने पास संजो कर रखते हैं और अपने गोत्र के आधार पर अपनी नई पीढ़ियों की जन्मपत्रियां बनवाते हैं। मेवात का इलाका एक प्रकार से ब्रज क्षेत्र में ही आता है। अतः भगवान कृष्ण के प्रति भी इनकी श्रद्धा रहती है और खुद को ब्रजवासी कहने में भी गर्व का अनुभव करते हैं। होली–दिवाली का त्यौहार मनाने के साथ ही ये हिन्दुओं के अन्य तीज–त्यौहारों को भी सांकेतिक रूप में जरूर मनाते हैं और साथ ही ईद भी मनाते हैं। ये वो मेवाती मुसलमान हैं जिन्होंने 1719 में मुगल बादशाह मुहम्मद शाह रंगीले के खिलाफ अभियान पर निकले मराठा सरदार बाजीराव पेशवा को दिल्ली तक पहुंचने का सहर्ष रास्ता दिया था क्योंकि बादशाह ने मथुरा में अपनी बहुत बड़ी सेना अवध के नवाब सआदत खां के नेतृत्व में तैनात कर रखी थी और बाजीराव पेशवा ग्वालियर से दिल्ली की तरफ कूच कर रहे थे। सवाल यह है कि हम लड़ किन लोगों से रहे हैं? बजरंग दल जैसे संगठन किन लोगों के खिलाफ जहर उगल रहे हैं ? ये हमारे ही लोग हैं और हम में से हैं।

बेशक 1947 में मची मारकाट को देखते हुए मेवाती मुसलमानों ने घबरा कर पाकिस्तान जाने की जब सोची तो महात्मा गांधी ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे भारत में अपने पुरखों की धरती को छोड़ कर जाने का विचार त्याग दें। इसके पीछे एक कारण यह था कि जब 23 मार्च, 1940 को मुहम्मद अली जिन्ना ने लाहौर में पाकिस्तान प्रस्ताव मुस्लिम लीग की सभा में पारित कर दिया तो अप्रैल महीने में ही दिल्ली में भारतीय मुसलमानों की बहुत बड़ी सभा हुई जिसमें खान अब्दुल गफ्फार खान के अलावा देवबन्द के जमीयत उल–उलेमाए हिन्द के मौलाना मदनी ने भी भाग लिया और सिन्ध के मुख्यमन्त्री अल्लाबख्श सुमरू ने भी शिरकत की।

इस सभा में मुसलमानों की 12 से अधिक पार्टियों ने भाग लिया और इसमें प्रस्ताव पारित किया कि भारत के मुसलमान पाकिस्तान का निर्माण नहीं चाहते। इसमें मेवाती मुसलमानों ने बड़ी संख्या में भाग लिया था। इन देशभक्त मुसलमानों को केवल इनके मजहब के आधार पर अलग करके कैसे देखा जाना चाहिए जबकि वे भारत के बाइज्जत नागरिक हैं। नफरत से हम अपने देश को ही कमजोर कर रहे हैं और इसकी तरक्की को पीछे ले जा रहे हैं। गुरुग्राम में सैकड़ों विदेशी कम्पनियों के दफ्तर हैं। क्या हम उन्हें सन्देश देना चाहते हैं कि भारत के लोग आज भी मजहबी तास्सुब के चश्मे से ही किसी इंसान की परख करते हैं? हमारा हिन्दू तत्व ज्ञान तो सबसे पहले हमें मानव मात्र के कल्याण की शिक्षा देता है।

ट्रंप का राजनीतिक भविष्य

आदित्य नारायण

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चार महीनों में तीसरी बार आपराधिक आरोप लगे हैं। इस बार यह आरोप लगा है कि उन्होंने 2020 के अमेरिकी चुनाव के परिणाम को पलटने की कोशिश की थी। यह आरोप विशेष वकील जैकस्मिथ के उन आरोपों की जांच से उपजे हैं जो यह दर्शाते हैं कि ट्रंप ने डैमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन से अपनी हार को उलटने की कोशिश की थी। अधिकारियों ने गवाही दी है कि ट्रंप ने व्यापक मतदान धोखाधड़ी के झूठे दावों के आधार पर उन पर दबाव डाला और कांग्रेस को बाइडेन की जीत को प्रमाणित करने से रोकने के लिए उनके समर्थकों ने 6 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल पर हमला किया। ट्रंप पहले ही आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बन चुके हैं। यद्यपि इन आरोपों को ट्रंप ने राजनीति से प्रेरित बताया है और कहा कि जैकस्मिथ विक्षिप्त हो चुके हैं और उन्होंने एक और फर्जी अभियोग लगाया है। आरोपों के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप अगले राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के नामांकन की रेस में सबसे आगे हैं। अब सवाल यह है घकि क्या आपराध्धक मामले उनके पुनः राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के सपने को तोड़ सकते हैं या नहीं? इससे पहले उन पर गोपनीय दस्तावेज अपने पास रखने, पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स मामले में दिए गए धन को छुपाने के आरोप लग चुके हैं। उन पर ई.जीन कैरल नाम की एक स्तम्भकार ने केस दायर कर ट्रंप पर रेप और उसे सार्वजनिक तौर पर बदनाम करने का आरोप भी लगाया था। इस मामले में कोर्ट ने कैरल के बलात्कार के दावों को नहीं माना था, लेकिन उसका उत्पीड़न करने के मामले में ट्रंप पर 50 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया था। जस्टिस डिपार्टमेंट के हालिया अभियोग को मिलाकर अब ट्रंप 78 आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। ट्रंप खुद को बेगुनाह बता रहें हैं लेकिन अगर उन्हें दोषी ठहराया गया और फिर हर एक मामले के लिए उन्हें अधिकतम अवधि की सजा सुनाई गई तो ट्रंप को सैकड़ों वर्षों की जेल हो सकती है। हालांकि ऐसे मामले कम हैं, जब जजों ने अधिकतम सजा सुनाई है। इसके अलावा मुजरिमों को एक साथ कई मामलों में सजा काटने की अनुमति दे देते हैं यानी कि किसी मामले में दस साल की सजा हो और दूसरे किसी मामले में चार ही साल की सजा है तो इसकी सजा दस साल वाले में एडजस्ट करने की मंजूरी दी जा सकती है। डोनाल्ड ट्रंप को हो सकता है कि अधिकतम सजा न सुनाई जाए या उन्हें एक साथ कई मामलों में सजा काटने की अनुमति मिल जाए लेकिन आरोपों और सजाओं की लंबी सूची ट्रंप के कानूनी खतरे की गंभीरता को दिखाती है। इसके अलावा यह अमेरिका के सामने भी असाधारण स्थिति है जिसकी कमान एक बार फिर ट्रंप राष्ट्रपति के रूप में लेना चाहते हैं। अमेरिका में कोई शख्स अधिकतम दो बार राष्ट्रपति रह सकता है और ट्रंप एक बार राष्ट्रपति रह चुके हैं। उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति बनने के लिए जो बाइडेन को कड़ी टक्कर दी लेकिन नाकाम रहे। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि दोषी ठहराए जाने के बावजूद ट्रंप को राष्ट्रपति बनने से रोका नहीं जा सकता। आरोपित होने के बावजूद सुनवाई में महीनों का समय लगेगा और ट्रंप तब तक आराम से प्रचार–प्रसार कर सकते हैं। न्यूयार्क या फ्लोरिडा मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद भी ट्रंप के सामने चुनाव लड़ने में कोई बाधा नहीं आने वाली। अमेरिका के संविधान में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए किसी भी उम्मीदवार के लिए तीन योग्यताओं का होना अनिवार्य है। पहला उम्मीदवार अमेरिका का नागरिक होना चाहिए। उसकी उम्र कम से कम 35 साल हो और वह 14 सालों से अमेरिका में रह रहा हो। ऐसी कई कानूनी बाधाएं हैं जिससे किसी भी व्यक्ति को चुनाव लड़ने से रोका जा सकता है, लेकिन वे ट्रंप पर लागू नहीं होती। अगर किसी को आपराधिक मामलों में दोषी ठहराया जाता है तो वह वोट नहीं डाल सकता, लेकिन वह चुनाव लड़ सकता है।

महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या इन आरोपों से ट्रंप के प्रचार अभियान को नुक्सान पहुंचेगा या उन्हें फायदा होगा? ट्रंप राजनीतिक कौशल के मामले में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन पर भारी पड़ते दिखाई देते हैं। आरोपों के बावजूद ट्रंप के चेहरे पर कोई शिकन नजर नहीं आ रही। ट्रंप के आलोचक और समर्थक उन्हें एक करिश्माई तेज तर्रार और कुशल राजनीतिक स्किल वाला इंसान मानते हैं। उनके बोलने का अलग स्टाइल और कई बार उनका बड़बोलापन उनके लिए ही तोहफा साबित होता है।

अड़ियल रवैये से उपजा संसदीय गतिरोध

संसद में गतिरोध कोई नई बात नहीं है, लेकिन गतिरोध को तोड़ने के लिए संवाद का अभाव नई बात है। दोनों पक्षों में कोई ऐसा नहीं है जिसकी बात सुनने के लिए दूसरा पक्ष तैयार हो। दरअसल यह संसदीय गतिरोध नहीं, बल्कि व्यक्तिगत कटुता है जो संसद को चलने नहीं दे रही। कम से कम अगले लोकसभा चुनाव तक तो इसमें किसी परिवर्तन के आसार नहीं दिखते। कुल मिलाकर मामला यह है कि विपक्ष की जिद है कि न कुछ कहना है और न कुछ सुनना है। इसलिए ऐसी शर्तें रखो कि बातचीत का रास्ता ही न निकले। अब आप यह कह सकते हैं कि विपक्ष ही क्यों सत्ता पक्ष भी तो जिद पर अड़ा है। तर्क की दृष्टि से तो बात ठीक लगती है। ऐसा मानने वाले कह रहे हैं कि क्या हो जाएगा यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद में आकर मणिपुर पर बयान दे देंगे। वह संसद से बाहर बोल सकते हैं तो अंदर क्यों नहीं। इस प्रकार की मांग में वह सहजता नहीं है जो दिखाने की कोशिश हो रही है। इस मांग में देश के प्रधानमंत्री को झुकाने का भाव है। इस मांग का समर्थन न तो संसदीय नियम करते हैं और न ही परंपरा। भारतीय संसद के इतिहास में ऐसा कोई उदाहरण नहीं है कि प्रधानमंत्री के बयान की शर्त पर ही कोई चर्चा शुरू हुई हो। इस मामले में नियम और परंपरा दोनों कसौटियों पर विपक्ष खरा नहीं उतर पा रहा। सिर्फ जिद और गतिरोध पैदा करने की ताकत उसके पास है, जिसका वह इस्तेमाल कर रहा है।एक और तर्क दिया जाता है कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले यह सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी है। बात तो पूरी तरह सही है, लेकिन इसके साथ ही एक और सवाल है कि यदि विपक्ष सदन की कार्यवाही बाधित करने पर तुला हुआ हो तो सत्ता पक्ष सदन कैसे चलाए? अब जरा इस बात का आकलन कर लें कि इस गतिरोध से किसका फायदा और किसका नुकसान हो रहा है। सबसे बड़ा नुकसान तो देश की जनता का हो रहा है। वह महत्वपूर्ण विषयों और विधेयकों पर चर्चा के लाभ से वंचित है। विपक्ष जो चाहता है, वह हो नहीं रहा है। सरकार इस हंगामे में भी अपने विधायी कार्य निपटा रही है। अब इस समस्या की जड़ पर कुछ चर्चा कर लें। सवाल है कि संवादहीनता क्यों है? यह संवादहीनता बनी है दो कारणों से। एक, संप्रग सरकार के कार्यकाल में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी को झूठे मामलों में फंसाने में कांग्रेस ने सारी हदें पार कर दी थीं। सरकार, पार्टी, मीडिया, एनजीओ, सरकारी जांच एजेंसियों और कुछ हद तक अदालतों का दुरुपयोग हुआ। वह अभूतपूर्व था। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार का सबसे बड़ा एजेंडा एक प्रदेश के निर्वाचित मुख्यमंत्री को येन केन प्रकारेण जेल भिजवाने का था। उसमें सफलता नहीं मिली। इसकी टीस अभी तक गई नहीं है। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व नरेन्द्र मोदी को फूटी आंख नहीं देखना चाहता। उसके दुर्भाग्य से मोदी एक नहीं दो–दो बार पूर्ण बहुमत से प्रधानमंत्री बन गए और तीसरी बार भी बनने वाले हैं। दूसरा कारण है–जनादेश को अस्वीकार करना। 2014 में मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी तो कांग्रेस और उसके साथी दलों को लगा कि मतदाता से गलती हो गई है, जिसे ठीक करने की जिम्मेदारी हमारी है।

मेरी माटी, मेरा देश' (मिट्टी को नमन, वीरों को वंदन) कार्यक्रम का जनपद में 09 से 15 अगस्त तक

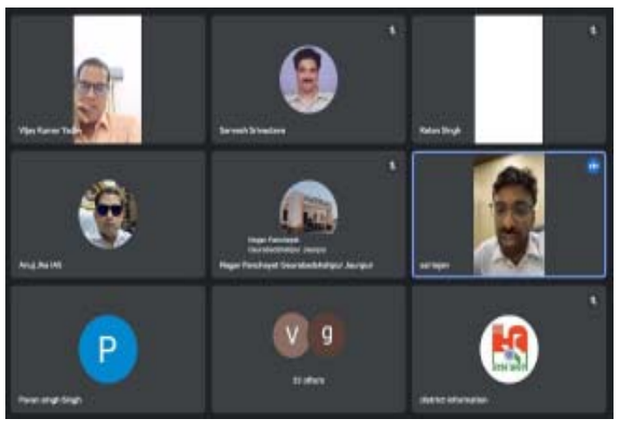

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। 09 अगस्त से 15 अगस्त तक जनपद के प्रत्येक गांव में ''मेरी माटी, मेरा देश'' कार्यक्रम धूम धाम से मनाया जायेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के क्रम में आजादी का अमृत महोत्सव के समापन समारोह में प्रदेश में 'मेरी माटी, मेरा देश' (मिट्टी को नमन, वीरों को वंदन) एवं 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रमों के आयोजन के अनुपालन के क्रम में जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने जनपदीय अधिकारियों के साथ जूम मीटिंग कर सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम में प्रत्येक ग्राम पंचायत के प्रत्येक खेत से प्रत्येक व्यक्ति एक मुट्ठी मिट्टी लेकर प्रत्येक ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर जिसमें शहीदों के नाम, स्वतंत्रता सेनानियों के नाम, युद्ध में हुए शहीद तथा पीएसीध्पुलिस के नाम का शिला फलक लगाया जाएगा। वहां पर एकत्र होकर देश के शहीदों को वंदन करते हुए पंच प्रण लेंगे। खेत की इस मिट्टी को मिलाकर दो कलश में रखकर विकास खण्ड को भेजा जाएगा। मिट्टी को विकासखंड से जनपद फिर जनपद से दो कलश में मिट्टी लखनऊ व दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में भेजी जाएगी। यह सभी कार्यक्रम अलग अलग तिथियों में 09 अगस्त से 15 अगस्त तक विविध कार्यक्रम भव्यता के साथ आयोजित हो सकेंगे। जनपद से मिट्टी के कलश को 23 अगस्त को लखनऊ और 28 को दिल्ली ले जाया जाएगा। जिसे युवा व महिला मंगल लेकर जाएंगे। प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रभात फेरी तिरंगा यात्रा पंचप्राण के साथ अमृत सरोवर में 75 वृक्ष लगाए जाएंगे और दीप का प्रज्ज्वलन किया जाएगा।प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले या जल सेना, वायु सेना, थल सेना के अमर शहीदों की याद में एक मुट्ठी मिट्टी में पंचप्राण लेते हुए उनके नाम का शिलाफलक लगाया जाएगा। जो कलश लखनऊ और राजधानी ले जाया जाएगा। उसे बेहतर सुसज्जित बैंड बाजे तिरंगे ध्वज के साथ वाहन से रवानगी की जाएगी। जिसमें युवा और महिला मंगल दल प्रतिभाग करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि अपनी मातृभूमि को नमन करने का बहुत ही शुभ अवसर मिला है। अपने देश को आजाद करने में अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, देशभक्तों को याद करने का क्षण मिला है। इसे उत्सव और भव्यता के साथ प्रत्येक ग्राम पंचायत में मनाएंगे। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी से कहा कि इसके लिए सभी ग्राम प्रधान पहले से ही अपनी तैयारी कर लें। उन्होंने कहा कि जो भी शिला फलक लगाया जाएगा उसमें गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए ताकि वह अधिक से अधिक दिनों तक चल सके और उसमें लिखे हुए शहीदों के नाम अधिक से अधिक दिनों तक लोग जान सकें। प्रत्येक ग्राम पंचायत में 9 से 15 अगस्त तक राष्ट्रीय गीत, राष्ट्र ध्वज, राष्ट्रगान के तराने की गूंज चलती रहे। प्रत्येक विद्यालय में प्रभात फेरी निकाली जाएगी। राष्ट्रीय गायन हो, संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हों, पुलिस बैंड के साथ तिरंगा यात्रा का आयोजन होगा।जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त जनप्रतिनिधियों सासंद, विधायक, ब्लाक प्रमुख गण, ग्राम प्रधानध्सभासदगण सहित आम जनमानस से अपील की है कि मेरी माटी मेरा देश एवं हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनायें। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को इसका भव्य कार्यक्रम जनपद स्तर पर होगा। जिसमें सभी जनप्रतिनिधि भी प्रतिभाग करेंगे और अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम से जोड़ा जाए। बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और किसानो को जोडते हुए उत्सव के रूप में भव्यता के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाये।

जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर घर तिरंगा 13 से 15 अगस्त 2023 अभियान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसहभागिता के साथ मनाया जायेगा, जिसके सम्बन्ध में सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण कर लेने के निर्देश दिये। हर घर तिरंगा कार्यक्रम प्रत्येक सरकारी अधिकारीध कर्मचारी शिक्षकगण, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न नागरिक संगठनों आदि की सहभागिता सुनिश्चित की जाये। ग्राम पंचायत स्तर पर सम्बन्धित विभाग के द्वारा जागरूकता सत्र का आयोजन किया जाये और ग्राम प्रधानों को शत–प्रतिशत घरो, दुकानों, कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, आंगनबाडी केन्द्रों, राशन की दुकानों आदि पर झण्डा फहराया जाने हेतु प्रेरित किया जाये।जनपद के समस्त सरकारीध सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, गैर सरकारी संगठनों, रेस्टोरेन्ट, शापिंग काम्पलेक्स, टोल प्लाजा, पुलिस चौकीध्थाना इत्यादि पर झण्डा फहराया जाये।

स्वं जनेश्वर मिश्र के जंयती मनाई गई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर छोटे लोहिया स्वं जनेश्वर मिश्र के जंयती बडे धूमधाम से निवर्तमान जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के अध्यक्षता में मनाया गया तथा गोष्ठी आयोजन कर मासिक बैठक हुआ उनके विचारों को बारे में चर्चा किया गया । अध्यक्षता करते हुए डां अवधनाथ पाल ने कहा समाजवादी राजनीति की चर्चा हो तो जनेश्वर मिश्र का नाम लिए बिना चर्चा पूरी नहीं होती चाहे वो नेताजी रहे हो या राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समाजवाद पर बोलते हुए दोनों ही जनेश्वर मिश्र का नाम जरूरी तौर पर लेते है समाजवादी नेता और जनेश्वर मिश्र को छोटे लोहिया के नाम से भी पुकारते हैं जनेश्वर मिश्र समाजवादी नेता डॉ राम मनोहर लोहिया के बडे अनुयायियों में गिने जाते है छात्र जीवन से ही लोहिया के विचारों का प्रभाव पड़ गया था समाजवादी युवजन सभा ज्वाईन करने पहली बार राम मनोहर लोहिया के संपर्क मे आये और लोहिया के साथ लम्बे समय तक कियें । जनेश्वर मिश्र जब जब भी सरकार मे रहे सदा कमजोर वर्ग किसानों की आवाज उठाने का काम किए और उनके कार्य काल मे जो का कमजोर शोषित वर्ग के लिए हुआ है आज भी लोग याद करते हैं। डां अवधनाथ पाल ने मासिक बैठक में कहा बताया कि 9 अगस्त को विधानसभाओं में सेक्टर स्तर पर जंन पंचायत आयोजित किया जायेगा जंन पंचायत में मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश यादव द्वारा विकास कार्यों का जन जन तक समझना और वर्तमान सरकार द्वारा हो रहे शोषित वंचित किसान नौजवान पे हो रहे अत्याचार को बताना है बैठक मे मुख्य रूप से पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, राजबहादुर यादव, महेन्द्र यादव, राजेन्द्र यादव टाइगर, राहुल त्रिपाठी, हिरालाल विश्कर्मा, मेवालाल गौतम, दिनानाथ सिंह, इर्शाद मंसूरी, लाल मोहम्मद रानी रमापति यादव,अजमत अली कलीम अहमद साजिद अलीम,तारा त्रिपाठी, रामू मौर्या,रत्नाकर चौबे, घनश्याम यादव, राजदेव पाल शबनम नाज, अनील दूबे,सूर्यभान यादव,राम इकबाल आदि लोग उपस्थित रहे।

किसान पाठशाला का आयोजन 7 अगस्त से : हिमांशु पाडेय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद के सभी विकास खण्डो के अन्तर्गत आने वाले 627 ग्राम पंचायतो में कृषि विभाग द्वारा 07 से 17 अगस्त 2023 के बीच दो दिवसीय किसान पाठशालाध्खरीफ गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय ने शुक्रवार को बताया कि किसान पाठशाला में किसानों को श्री अन्न का पाठ पढाने के साथ ही खेती किसानी से जुडी तकनीकी जानकारियॉ भी दी जायेगी। जिले के किसानो को इसके माध्यम से जैविक खेती करने के तरीके बताये जायेगे, साथ ही कृषि विभाग की योजनाओं से भी उन्हे परिचित कराया जायेगा। यह कार्यक्रम दो दिवसीय होगा, इसमें दो सत्र होगें। पहले दिन प्रथम सत्र में श्री अन्न का महत्व, पोषकता, वर्गीकरण, उत्पादन, तकनीकी प्रसंस्करण आदि की जानकारी दी जायेगी तथा द्वितीय सत्र में प्राकृतिक खेती के सिद्धान्त, धान की सीधी बुआई, दलहन, तिलहन एवं सब्जी उत्पादन की जानकारी दी जायेगी।

इसी प्रकार दूसरे दिन प्रथम सत्र में कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं, विभाग द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के साथ ही समन्वय वाले विभागो यथा उद्यान, पशुपालन, मत्स्य एवं मण्डी परिषद की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जायेगी। दूसरे दिन द्वितीय सत्र में पराली प्रबन्धन एवं कृषक उत्पादक संगठन पर विस्तृत जानकारी दी जायेगी। किसान पाठशाला के लिये अपरान्ह 02:00 बजे से 05:00 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। इसमें कृषि विभाग के कर्मचारी विभागीय योजनाओ के साथ ही नवीनतम तकनीक की जानकारी देगें। इसमें गॉव के आस–पास मिलने वाले संसाधनों जैसे नीम, करंज, धतूरा आदि की पत्तियॉ, गोबर, गौमूत्र का उपयोग कर के जैविक कीटनाशक बनाने की विधि भी बतायी जायेगी, साथ ही कृषको को को फसल बीमा कराने हेतु विस्तृत जानकारी दी जायेगी ताकि उन्हे फसल बीमा का लाभ प्राप्त हो सके।

सर्प दंश से महिला अचेत

जौनपुर। मछलीशहर कोतवाली के नंदापुर गांव निवासी महिला को सर्प ने डस लिया। महिला का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

उक्त गांव निवासी मंजू देवी 35 वर्ष पत्नी सुभाष बिंद अपने घर में चारपाई पर लेटी हुई थी। शनिवार भोर में उसकी खाट पर एक विषैला सर्प चढ़ गया और उसे डस लिया। सर्प डसने की जानकारी महिला ने परिजनों को बताई। परिजन महिला को लेकर सी एच सी मछलीशहर पहुंचे जहा चिकित्सक ने महिला हालत देखते हुए इंजेक्शन दवा दिया। किन्तु उसकी हालत में सुधार न देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहा अभी भी उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

स्टेरिंग फेल होने से बस खंदक में पलटी,बाल बाल बचे लोग

1–बस में सवार लोग वाराणसी से शवदाह कर मल्हनी लौट रहे थे,घटना के समय बस में लगभग 30 लोग थे सवार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, जलालपुर थाना अंतर्गत वाराणसी लखनऊ हाइवे पर भवनाथपुर गांव के पास शनिवार को सुबह स्टेरिंग फेल होने से एक प्राइवेट बस सड़क किनारे खंदक में पलट गई। संयोग से बस में सवार किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई। शोरगुल सुनकर पहुंचे आसपास के लोगो बस में सवार सभी लोगो को किसी तरह बस से बाहर निकाला।सभी को मामूली चोट आई थी।बैगर कही इलाज कराए दुसरे वाहनों से घर चले गए।खजुरा मलहनी निवासी भीम विश्वकर्मा की माता का शुक्रवार शाम को निधन हो गया था।

परिजन गांव वालो के साथ शव का अंतिम संस्कार करने बस से वाराणसी ले गए थे।शनिवार को सुबह शवदाह कर वापस लौट रहे थे कि थाना क्षेत्र के भवनाथपुर गांव के पास अचानक बस की स्टेरिंग फेल हो जाने से बस बाई तरफ खंदक में पलट गई।घटना के समय बस में करीब 30लोग सवार थे।किसी को भी गंभीर चोट नहीं लगी थी सभी मामूली रूप से जख्मी थे जो दूसरे वाहनों को रोककर घर चले गए।

परिवहन विभाग की चूक: सामान्य वाहन मालिक बन गए वीवीआईपी नंबरधार

संवाददाता

लखनऊ। परिवहन विभाग की एक बड़ी चूक से राजकीय वाहनों के लिए जारी जी सीरीज के नंबर प्राइवेट कार मालिकों को आवंटित हो गए।इससे आम गाड़ी मालिक वीवीआईपी हो गए। नंबर पोर्टेबिलिटी सिस्टम के तहत ऐसा हुआ है।जी नंबर सीरीज की सरकारी गाड़ियों की नीलामी में आम लोगों ने खरीद लिया। इसके बाद ये वीआईपी नंबर अपनी नई प्राइवेट कार पर पोर्ट करा लिया जिससे सरकारी वाहनों के नंबर प्राइवेट कार पर ष्जीष सीरीज के साथ दर्ज हो गए।इस नंबर के साथ लोग भौकाल टाइट कर रहे हैं। प्रदेश भर में ऐसे ष्जीष सीरीज के तमाम नंबर प्राइवेट कार मालिकों को आवंटित हुए। अब परिवहन विभाग जी सीरीज को लॉक कर अपनी भूल सुधार की तैयारी में जुट गया है।परिवहन विभाग की तरफ से ष्जीष सीरीज का आवंटन राजकीय गाड़ियों के लिए किया गया है। ए से लेकर से जेडयू तक ष्जीष सीरीज का आवंटन अन्य किसी प्राइवेट वाहन के लिए नहीं हो सकता है, लेकिन परिवहन विभाग ने जब नंबर पोर्टेबिलिटी की सुविधा शुरू की तो उसमें जी सीरीज को लॉक करना ही भूल गया। ये क्लॉज ही नहीं लगाया कि जी सीरीज का नंबर पोर्टेबल नहीं हो सकता।इसी का फायदा तमाम वाहन स्वामियों ने सरकारी वाहनों को नीलामी के दौरान खरीद कर उठा लिया।

स्टडी हॉल में गणित मेला आयोजित, 100 से अधिक अभिभावक शामिल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समग्र शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध स्टडी हॉल स्कूल ने अपने कानपुर रोड ब्रांच में ष्गणित मेलाष् कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक अभिभावक शामिल हुए। कक्षा 4, 5, 6, 7 और 8 के छात्रों की भागीदारी ने इसे एक अविस्मरणीय अनुभव बना दिया।

स्टडी हॉल कानपुर रोड की प्रिंसिपल सुपर्णा चटर्जी ने कहा, "संख्याएं हमारे आसपास हैं लेकिन हम सभी इसे गणित विषय तक ही सीमित रखते हैं। इससे हममें गणित के प्रति भय पैदा हो जाता है। स्टडी हॉल में हम गणित को सरल, हमारे जीवन से संबंधित बनाने और अपने बच्चों को वैचारिक समझ की स्पष्टता देने का प्रयास करते हैं, यही कारण है कि आज हम जादू और मस्ती के साथ गणित का जश्न मना रहे हैं। स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन (एसएचईएफ) की एक इकाई, स्टडी हॉल ने 2021 में अपनी नई शाखा स्थापित की, और वर्तमान में लखनऊ में पिपरसैंड क्षेत्र और उसके आसपास के 16 गांवों के 130 से अधिक बच्चों को शिक्षित करती है।

एसएचईएफ की संस्थापक और सीईओ, डॉ. उर्वशी साहनी ने कहा, "हमारा दृढ़ विश्वास है कि सीखना एक मजेदार और रोमांचक यात्रा होनी चाहिए। गणित मेले को गणित के व्यावहारिक पक्ष को प्रदर्शित करते हुए गतिविधि–आधारित शिक्षा को अपनाने के लिए सोच–समझकर तैयार किया गया था। इस गहन अनुभव के माध्यम से, हमारे छात्रों ने न केवल अच्छा समय बिताया, बल्कि विषय में एक ठोस आधार भी विकसित किया, जिससे जीवन भर सीखने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

कक्षा 4 के छात्रों ने अपनी जन्मतिथि जानें, तर्क खेल, और प्यासा खेल जैसी गतिविधियों के माध्यम से अपनी समस्या–समाधान कौशल को तेज करते हुए प्रतिभा प्रदर्शित की। क्लास ने एलसीएम और एचसीएम को एक मनोरम टॉम एंड जेरी कहानी और मैजिक मॉडल में एकीकृत किया। कक्षा 6 भिन्नों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर केंद्रित है। कक्षा 7 और 8 में आरोही क्रम और योग का प्रदर्शन किया गया, जिससे सीखने को आकर्षक और प्रेरणादायक बनाया गया।

कक्षा 8 के छात्र रौनक सिंह ने कहा, "गणित सीखने के दौरान हमें बहुत मजा आया। यह अब खोज की एक जादुई यात्रा की तरह है। समस्याओं को सुलझाने और समीकरणों को सुलझाने ने मुझे भविष्य में गणित सीखने के लिए आत्मविश्वास से भर दिया है।

गणित मेला छात्रों में गणित के प्रति प्रेम पैदा करने, विषय के प्रति सकारात्मक और आत्मविश्वासपूर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की एक पहल थी। यह कार्यक्रम बच्चों और अभिभावकों के बीच काफी लोकप्रिय रहा।

बाईक सवार युवक की टेलर के धक्के से मौत, एक घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सिकरारा थाना क्षेत्र के समाधगंज बाजार के निकट ट्रेलर के धक्के से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। बाईक पर सवार एक अन्य युवक घायल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मछलीशहर नगर के उमराना मोहल्ला निवासी सूर्यकांत त्रिपाठी (45)पुत्र स्वर्गीय शेषमणि शुक्रवार सांय अपनी बाइक से जौनपुर नगर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती अपने पड़ोसी की बीमार बहन को देखने गए थे। नगर के मंगल बाजार निवासी अकरम (25)उनके साथ बाईक पर पीछे बैठा था। घर लौटते समय दोनों समाधगंज बाजार के आगे पहुंचे थे कि विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रेलर ने उन्हें टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की सूर्यकांत का हेलमेट चकनाचूर हो गया और सिर में गंभीर चोट लग गई। वही बाईक पर बैठा अकरम दूर छिटक कर चला गया। घटना की सूचना पर पहुंची सिकरारा पुलिस ने घायलों को एंबुलेस की सहायता से मछलीशहर सी एच सी पहुंचाया। जहा चिकित्सक ने सूर्यकांत को मृत घोषित कर दिया। जबकि अकरम का ईलाज चल रहा है। सूर्यकांत नगर में पूजा पाठ कराने का कार्य करते थे। उनकी दो संतान है। बेटा उज्ज्वल त्रिपाठी नगर के एचडीएफसी शाखा में सेल्समैन का कार्य करता है। वही बेटी श्रुति अभी पढ़ाई कर रही है। पिता की मौत की सूचना पर पत्नी सहित दोनो संतानों का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक के पिता की मौत कुछ वर्ष पहले ही हो चुकी है। मौत की सूचना पर पहुंची सिकरारा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रेलर दुर्घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गया।

वर्ल्ड क्लास रेजिडेंशियल स्कूलों में पढ़ेंगे अनाथ, गरीब और श्रमिकों के बच्चे

संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार गरीब, अनाथ और श्रमिकों के होनहार बच्चों को बेहतरीन सुविधाओं से युक्त रेजिडेंशियल स्कूलों में पढ़ाने की तैयारी कर रही है। प्रदेश के डेढ़ दर्जन जिलों में अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन होगा। 16 जिलों में भवन निर्माण का काम करीब करीब पूरा हो चुका है। इनमें अगस्त महीने के अंत तक कक्षा 6 के लिए पठन–पाठन शुरू करने की तैयारी है। शेष 2 विद्यालयों को भी इस साल के अंत तक क्रियाशील किया जा सकता है।

नेत्र प्रक्षालन करने से आई फ्लू जैसे विकार दूर होते हैं: डॉक्टर एम एच सिद्दीकी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉक्टर एम एच सिद्दीकी डायरेक्टर फरमान नेचुरोपैथी क्लीनिक एवं योगा सेंटर दुबग्गा लखनऊ ने बताया कि बरसात का मौसम है देश के कई राज्यों में बाढ़ का कहर है। इसके साथ वायरल इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ गया है। अचानक से आई फ्लू आंखों का इन्फेक्शन के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके लक्षण

आंखों का लाल होना, आंखों में खुजली, आंखों से धुंधला दिखाई देना, आंखों से पानी आना, आंखों में दर्द होना

आयुर्वेद के अनुसार इस समस्या में त्रिफला क्वाथ से आंखों का प्रक्षालन करना फायदेमंद है यानी इसमें त्रिफला के काढ़े से आंखों को धोना पड़ता है।

त्रिफला क्वाथ के लिए आपको 10 ग्राम त्रिफला पाउडर चाहिए फिर उसे 250 उस पानी में रात भर भिगोकर रख दें सुबह इसे उबालकर आधा रहने पर छान ले कमरे के तापमान तक ठंडा होने के बाद आंखों को इससे धोएं ।

इसके लिए दो आई कप या छोटे–छोटे कप ले।

प्रत्येक कप में एक आंख को डुबोए। अब हर आंख को 100 बार खोलें और बंद करें अगर इससे आंखों में जलन या पानी निकलता है तो घबराएं नहीं नियमित प्रक्षालन करने से आई फ्लू जैसे विकार दूर होते हैं और आंखों की सूजन दर्द लालिमा और खुजली को भी दूर करता है। सुबह की धूप की किरणों से आंखों की सिकाई करें। आंवला , गाजर, और दूध का प्रयोग करें.

कैप्टन मनोज पाण्डेय चौराहे से हुसड़िया चौराहे तक की सड़क को नो पार्किंग जोन बनाया जाये

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ – लखनऊ की जनता सड़कों व फुटपाथों पर अवैध अतिक्रमण, अनियमित पार्किंग, वाहनों के उल्टी दिशा में चलने के कारण जाम की स्थिति से परेशान है। यातायात व्यवस्था में सुधार हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्कूल – कालेजों के बाहर अनियमित पार्किंग से जाम की स्थिति बनी रहती है। पुलिस विभाग द्वारा 27 एकल दिशा मार्ग घोषित किए हैं परन्तु लोग जल्दबाजी और शार्टकट के फेर में उल्टी दिशा में वाहन चलाते हैं और दुर्घटनाओं के साथ जाम का कारण बनते हैं।

यातायात पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था में सुधार एवं नो पार्किंग जोन हेतु आम जनता से सुझाव आमंत्रित किए हैं। मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा ने यातायात व्यवस्था में सुधार हेतु निम्नलिखित सुझाव यातायात पुलिस तथा पुलिस उपायुक्त (यातायात) को प्रेषित किए हैं –

१. कैप्टन मनोज पाण्डेय चौराहे से हुसड़िया चौराहे तक की सड़क को नो पार्किंग जोन बनाया जाये।

२. मिठाई चौराहे से लोहिया पथ आने – जाने वाले रास्ते पर उल्टी दिशा में चलने वाले वाहनों का ऑनलाइन चालान हेतु कैमरे लगाए जाएं तथा नो पार्किंग जोन भी बनाया जाए। इस मार्ग पर टायर कटर लगाए जायें ताकि उल्टी दिशा में चलने वाले वाहनों के टायर पंचर हैं और उल्टी दिशा में वाहनों के चलने पर अंकुश लग सके।

३. केन्द्रीय विद्यालय के पास विकास खण्ड, गोमतीनगर के खाली प्लॉट पर वेण्डर्स मार्केट बनाया जाए जिसमें अण्डर ग्राउण्ड मल्टी लेवल पार्किंग की व्यवस्था हो।

४. मिठाई वाला चौराहे से शंकर चौराहे तक की सर्विस लेन को नो पार्किंग जोन बनाया जाये।

५. उल्टी दिशा में वाहनों के चलने पर अंकुश लगाने के लिए एकल दिशा मार्गों पर विदेशों की तर्ज पर टायर कटर लगाए जाएं।

६. कचहरी के पास वाहनों की पार्किंग के कारण बन्द सड़क को यातायात हेतु खोला जाए।

७. ग्लोब पार्क से शहीद स्मारक तक की सड़क को नो पार्किंग जोन बनाया जाये।

८. स्कूल – कालेजों के बाहर सड़क पर पार्किंग को रोका जाये।

सीएम योगी ने शोधार्थियों से किया संवाद

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सकारात्मक विकासखंडों में कार्यरत शोधकर्ताओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विकासखंडों की प्रगति पुस्तिका का विमोचन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सकारात्मक विकासखंडों में कार्यरत शोधकर्ताओं से संवाद किया। इसके साथ ही सीएम योगी ने विकास खंडों की प्रगति पुस्तिका का विमोचन भी किया। इस दौरान वित्त मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश में पिछले साल 100 से ज्यादा विकासखंड राज्य के औसत से भी पीछे थे लेकिन इस साल के आंकड़े को देखे तो 10 से भी कम विकासखंड हैं।

राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाकर न्यायपालिका में लोगों की आस्था को बढ़ावा दिया : अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राहुल गांधी द्वारा मोदी उपनाम को लेकर की गई कथित विवादित टिप्पणी के संबंध में 2019 में दर्ज आपराधिक मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगा दी है। इसे लेकर अखिलेश ने भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने राहुल गांधी जी की सजा पर रोक लगाकर भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका में लोगों की आस्था को बढ़ावा दिया है। भाजपा की नकारात्मक राजनीति का अहंकारी ध्वज आज उनके नैतिक अवसान के शोक में झुक जाना चाहिए। बता दें कि मोदी उपनाम को लेकर की गई कथित विवादित मामले में राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाते हुए शुक्रवार को उनकी लोकसभा की सदस्यता बहाल कर दी।

समाजावादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिले, अयोध्या के चौदह कोसी मार्ग चौड़ीकरण से प्रभावित पीड़ित, सौंपा ज्ञापन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार ।समाजवादी पार्टी कार्यालय लखनऊ में पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष/पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मिलकर अयोध्या में चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग के चौड़ीकरण में जो निर्मलिकुण्ड गुप्तारघाट में निषाद समाज गौड़ , समाज और दलित तथा यादव समाज के मकानों को सरकार द्वारा अधिाग्रहण कर बिना उचित मुआवजा दिए तोड़ा जा रहा है उससे संबंधित ज्ञापन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को दिया गया ।

जिसमे मांग की गई कि जिन गरीबों के मकानों और दुकानों को तोड़ा जा रहा है उनको कम से 6 गुना मुआवजा मिले और मकान के बदले उनको जमीन दिया जाय और दुकान के बदले दुकान दी जाय या फिर चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग को परिवर्तित कर ब्रिगेडियर हाउस की तरफ से ले जाया जाए जिधर कोई आबादी नहीं है । और उसको गुप्तारघाट की तरफ बनाये गए फोर लेन में जोड़ दिया जाय जिससे कि गरीबों के मकान और दुकान टूटने से बच सके और पौराणिक स्थल निर्मलिकुण्ड और वहाँ बने सीताजी और रामजी के प्राचीन मंदिर को भी टूटने से बचाया जा सके, पूर्व मुख्यमंत्री माननीय अखिलेश यादव जी ने आश्वाशन दिया कि पीड़ितों की इन सभी मांगो को संसद के सत्र में और विधानसभा के सत्र में जोरदार तरीके से उठाया जाएगा । राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को सभी नवनिर्वाचित पार्षदों ने गदा व स्मृति चिन्ह भेंट कर आशीर्वाद लिया राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी नवनिर्वाचित पार्षदो को जीत की बधाई दी । महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया कि इस मौके पर जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव, महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव,महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम,उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव, रियाज अहमद, महानगर अध्यक्ष महिला सभा अपर्णा जयसवाल, प्रधान सुरेंद्र यादव, पूर्व प्रदेश सचिव मो हलीम पप्पू, पूर्व बीएसए राम लखन यादव, मंजीत यादव, पार्षद विशाल पाल, लुल्लूर यादव, जगत नारायण यादव, अरोनी पासवान, मुकेश कोरी, कृष्ण गोपाल यादव, अर्जुन यादव सोमू, वकार अहमद, राशिद सलीम घोसी, अखिलेश पांडे, मो अपील बबलू, भगवान दीन निषाद, प्रदीप निषाद, इत्यादि लोग मौजूद थे।

सावन माह में गहनाग देव आश्रम पर श्रद्धालुओं का उमड़ता है जन सैलाब

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार अयोध्या जिले के मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र में अयोध्या–रायबरेली हाईवे के पारा मरेमा में पच्चासों वर्ष पूर्व से स्थापित गहनाग देव आश्रम हिंदुओं के श्रद्धा और विश्वास का केंद्र माना जाता है।

लोगों ने बताया कि गहनाग देवस्थान पर सर्प आदि विषैले जंतुओं के काटने पर लोग सर्वप्रथम यहां आते हैं और फेरी एवं जल पीने के बाद व्यक्ति ठीक होकर अपने आप पैदल अपने गंतव्य को जाता है।

बताया गया कि पड़ोसी जनपदों के भी महिला पुरुष बच्चे सोमवार और शुक्रवार को आकर पूड़ी हलवा का प्रसाद गहनाग देव को चढ़ा कर उनसे मंगल कामना करते हैं। बुजुर्ग माता प्रसाद दुबे बताया कि इस टीले पर पहले एक छोटा सा नीम का पेड़ व सरपत के बीच एक (सुरंग नुमा) बिल थी। जहां नाग पंचमी के दिन ग्रामीण लावा एवं दूध चढ़ाते थे। लावा दूध चढ़ाते समय नाग देवता ने दर्शन देकर बड़े चाव से दूध का पान किया। तब से इस स्थान पर पूजा पाठ होने लगा। बताया गया कि यह स्थान आज पूरे प्रदेश में गहनाग देव बाबा आश्रम के नाम से विख्यात है। आसपास के जनपदों के भी लोग यहां आकर गहनागदेव का दर्शन पूजन करते हैं। सावन मास में इस आश्रम पर दूरदराज से महिला एवं पुरुष बच्चे दूध लावा हलवा पूड़ी चढ़ाकर भगवान भोलेनाथ की आराधना करते हैं। सोमवार व शुक्रवार को यहां भक्तों की अपार भीड़ रहती है। यहां तक कि कभी कभार अयोध्या रायबरेली राष्ट्रीय मार्ग भी बंद करना पड़ता है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन की अधिकारी महिला पुलिस भी भक्तों के निगरानी एवं सुरक्षा में तैनात रहती है। इस मंदिर के महंत मंसाराम दास महाराज बताते हैं कि मंदिर को संवारने में ब्रह्मलीन लोधे दास का बड़ा योगदान रहा। यह स्थान तालाब खाते की भूमि पर 18 बीघे रक्बे के टीले पर बसा हुआ है। बगल श्रद्धालुओं के नहाने के लिए सरोवर का भी निर्माण कराया गया है। परिसर में गहनाग देव आश्रम, बजरंगबली ,आस्तिक आश्रम, राम जी तथा दुर्गा माता का मंदिर भी विद्यमान है। जय गहनाग बाबा गौ सेवा ट्रस्ट पारा ब्रह्मनान मरेमा के नाम से बनाया गया है। ट्रस्ट के माध्यम से मंदिर की रिपेयरिंग साज सज्जा तथा प्रसाद व मंदिर से संबंधित अन्य खर्चे उसी मद से किए जाते हैं.

जिला चिकित्सालय में हुई मारपीट की घटना में निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर आईजी से मिले भाजपाई

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार ।अयोध्या जिला चिकित्सालय में हुई मारपीट की घटना में भाजपा कार्यकर्ता के पक्ष में पार्टी शुक्रवार को भी खड़ी नजर आयी।

भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने आईजी रेंज अयोध्या से मुलाकात की। इस दौरान निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की गई। जिसके बाद प्रतिनिधिमंडल जेल पहुंचा जहां घायल कार्यकर्ता के इलाज की व्यवस्था हेतु जेल सुप्ररिटेंडेंट से बातचीत की गई।

जिला चिकित्सालय में इलाज कराने आये विनजेश मिश्रा तथा अजय मिश्रा व हिमांशु मिश्रा के साथ पहुंचे थे। तीनों भाजपा नेता दिनेश मिश्रा के परिवार से सम्बंधित है। इस दौरान जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ व मरीज, तीमारदार के बीच मारपीट हो गयी। इस घटना में डाक्टरों की तरफ से मुकदमा पंजीकृत हुआ था। जिसमें विनजेश मिश्रा, अजय मिश्रा व हिमांशु मिश्रा को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेजा था। भाजपा के प्रतिनिधिमंडल में महानगर अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष कमलाशंकर पाण्डेय, ओम प्रकाश सिंह, अवधेश पाण्डेय बादल, धर्मेन्द्र प्रताप सिंह टिल्लू शामिल रहे।

फिल्मी स्टाईल में स्कार्पियों से आकर किया था जानलेवा हमला, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। अयोध्या थाना पूराकलन्दर क्षेत्र स्थित नउवां कुआ में फिल्मी स्टाईल में जानलेवा हमला करने वाले तीन अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त की गई स्कार्पियो कार को भी बरामद कर लिया गया है। घटना 26 जुलाई की है। थाना पूराकलन्दर में मामले को लेकर कई धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। जिसमें बारुन बाजार के रहने वाले हर्ष जायसवाल ने अपने पिता साहबलाल जायसवाल की कार को स्कार्पियों से रोककर जानलेवा हमले का आरोप सात व्यक्तियों पर लगाया था। पुलिस द्वारा जांच में मनोज यादव पुत्र स्व0 मंगलराम यादव, मनोज प्रजापति पुत्र सव0 डोबाई, रवीन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मुक्कू पुत्र स्व0 काली प्रसाद सिंह का नाम प्रकाश में आया था। जिन्हें पुलिस ने सरियावां चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त स्कार्पियों को भी बरामद कर लिया गया है।

तारुन : पौधरोपण अभियान में लापरवाही पर कार्यालय सहायक निलम्बित,बीएसए और डीएफओ ने किया खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार ।अयोध्या जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार और डीएफओ सितांशु पांडेय ने शुक्रवार को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय तारुन पहुंचे। यहां बीएसए ने आधार कार्ड बनाने में वसूली की शिकायत पर बाबू को जमकर फटकार लगाई।

वहीं डीएफओ को भी क्षेत्र के स्कूलों में पौधरोपण की जानकारी भी नहीं मिली। इसे लेकर बीएसए ने कार्यालय सहायक रमेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन्होंने बताया कि पौधों की उठान में लापरवाही के बरतने के चलते कार्रवाई की गई है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी और वन विभाग अधिकारी शुक्रवार को खंड शिक्षा अधिकारी के कार्यालय पहुंचे। दोनों अधिकारियों को देख कर कर्मियों में अफरातफरी का माहौल बन गया।

डीएफओ सितांशु ने वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे पौधारोपण से संबंधित जानकारी मांगी। जिसे लेकर खंड शिक्षा अधिकारी और कर्मचारी कोई सटीक जवाब नहीं दे सके। न ही यह आंकड़ा दे पाए कि किस स्कूल में कितने और कौन – कौन से पौधे रोपित किए गए हैं।

इसे लेकर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जमकर क्लास लगाई। उसके बाद कार्यालय पर बन रहे आधार कार्ड बनाने के एवज में लोगों ने रुपया मांगे जाने की शिकायत की तो बीएसए ने लिपिक नागेश वर्मा से जवाब तलब किया है। उन्होंने बीईओ कार्यालय की साफ–सफाई और अन्य व्यवस्थाओं से भी नाराजगी जाहिर की है। इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी शैलजा मिश्रा मौजूद रहे।

ईपीएस–95 पेंशनर सरकार की दमनात्मक कार्यवाही के विरोध में प्रदर्शन करेंगें

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ईपीएस–95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति केन्द्र सरकार की पेंशनरों के विरूद्ध दिल्ली पुलिस द्वारा श्रम मंत्रालय पर की गई दमनात्मक कार्यवाही और न्यूनतम पेंशन न बढ़ाये जाने के विरोध में पूरे प्रदेश में 8 अगस्त को ईपीएफओ कार्यालयों जिलाधिकारी कार्यालयों पर सभा करके केंद्रीय श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन देंगें। इसके अतिरिक्त 10 अगस्त को लखनऊ में एक विशाल सभा होगी।

राष्ट्रीय समिति की लखनऊ मंडल की बैठक आज एल डी ए , सेक्टर डी , मंदिर हाल में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री के एस तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई । जिसमें वक्ताओं ने पेंशनरों के प्रति सरकार की उदासीनता के प्रति रोष व्यक्त किया और आन्दोलन को सफल बनाने की अपील की। सभा में सर्व श्री राज शेखर नागर प्रदेश महामंत्री, राजीव भटनागर मुख्य समन्वयक, राजेश तिवारी मंडल अध्यक्ष, आर एन द्विवेदी मध्य जोन अध्यक्ष, दिलीप पांडे, अशोक बाजपेई, सुभाष चौबे, ए पी सिंह, सतीश अग्निहोत्री, मेवा राम शुक्ला,विनोद गुप्ता एवं राजेश द्विवेदी ने विचार व्यक्त किए।

मध्य प्रदेश की मजबूरी है तीसरा विकल्प जरूरी है : लोधी मातादीन राजपूत

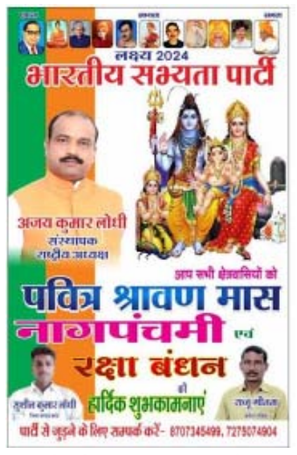

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लोधी मातादीन राजपूत भारतीय सभ्यता पार्टी राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि राजनीति करने वाले युवा साथियों ने सभी पार्टियों में तन मन धन से काम किया होगा पोस्टर बैनर झंडा नारे बाजी की होगी लेकिन आज सभी अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं यह आवाज भारतीय सभ्यता पार्टी की नहीं संपूर्ण वर्गों की है भारतीय सभ्यता पार्टी सभ्यता का पाठ पढ़ाते हुए आपके बीच आपके आत्मविश्वास को जगाने के लिए अवतरित हुई है याद रखना अगर आप वास्तविक रूप से हक और अधिकार प्राप्त करना चाहते हैं तो भारतीय सभ्यता पार्टी परिवार में शामिल होकर संविधानिक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हो जाइए सभी पार्टियों में जातिगत समीकरण सामने नजर आते हैं रामराज्य की बात करने वाले लोग सत्ता में आकर धार्मिक शक्तियों का दुरुपयोग कर रहे हैं एकता का संदेश देने वाले लोग आज हमारे बीच फूट डालो शासन करो की नीति पर काम कर रहे हैं गोरे अंग्रेज तो चले गए काले अंग्रेज आज भी हम सब के ऊपर प्रशासनिक ताकतों के माध्यम से राज्य कर रहे हैं नफरत फैलाकर आपस में लड़ा कर अपना स्वार्थ सिद्ध कर रहे हैं आपके वोट की तागत इन सभी महा भाटो को को सड़क पर लाने का काम करेगी भारतीय सभ्यता पार्टी मध्यप्रदेश में आप सबके बीच अच्छी गुणवत्ता नैतिकता और उचित संस्कारों के साथ राजनीतिक सफर तय करना चाहती है आप सब अधिक से अधिक मात्रा में पार्टी में सदस्यता लेने की कृपा करें और पार्टी को मजबूत करें 2023 में आपके हक और अधिकार दिलाने के लिए मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में पार्टी आपके साथ प्रत्याशी प्रत्येक विधानसभा में उतारने का प्रयास करेगी आप सभी अधिक मात्रा में सहयोग करें पार्टी को मजबूत करें पार्टियां कभी राष्ट्रवाद का मुद्दा बनाती हैं कभी धर्म का मुद्दा बनाती कभी हिंदू–मुस्लिम दंगों के माध्यम से एक दूसरे को लड़ाने का काम करती हैं नफरत का बीज होती है बहुत हो गया अब हम भारतीय सभ्यता पार्टी के साथ मिलकर उत्तम स्वच्छ समृद्ध शांतिपूर्ण मध्यप्रदेश का निर्माण करेंगे।

प्रधानमंत्री एक ऐतिहासिक पहल के तहत, 6 अगस्त को देश भर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए आधारशिला रखेंगे

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 24,470 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा

शहर के दोनों किनारों को समुचित रूप से जोड़ते हुए स्टेशनों को सिटी सेंटर के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है

यह एकी त ष्टिकोण रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र पर केंद्रित शहर के समग्र शहरी विकास के विजन से प्रेरित है

स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होगा स्टेशन भवन का डिजाइन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक ऐतिहासिक पहल के तहत 6 अगस्त को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के कोने–कोने में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य की आधारशिला रखेंगे।

प्रधानमंत्री अक्सर अत्याधुनिक सार्वजनिक परिवहन के प्रावधान पर जोर देते रहे हैं। रेलवे को देश भर में लोगों के परिवहन का पसंदीदा साधन बताते हुए उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। इस विजन से प्रेरित, देश भर में 1309 स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई थी। इस योजना के हिस्से के रूप में, प्रधानमंत्री द्वारा 508 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए आधारशिला रखी जा रही है। इन स्टेशनों का पुनर्विकास 24,470 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जाएगा। शहर के दोनों किनारों को समुचित रूप से जोड़ते हुए इन स्टेशनों को शसिटी सेंटरश के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र पर केंद्रित शहर के समग्र शहरी विकास के विजन से प्रेरित है। ये 508 स्टेशन देश के 27 राज्यों और केंद्र–शासित प्रदेशों में स्थित हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में 55, राजस्थान में 55, बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, पश्चिम बंगाल में 37, मध्य प्रदेश में 34, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22, गुजरात में 21, तेलंगाना में 21, झारखंड में 20, आंध्र प्रदेश में 18, तमिलनाडु में 18, हरियाणा में 15, कर्नाटक में 13 स्टेशन शामिल हैं।

पुनर्विकास कार्य से अच्छी तरह से सुव्यवस्थित यातायात सुविधा, इंटर–मोडल एकीकरण और यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किए गए चिन्हों को सुनिश्चित करने के साथ–साथ यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। स्टेशन भवनों का डिजाइन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होगा।

डबल इंजन हुआ फेल, अंब 2024 में जनता दिखाएगी अपना खेल: अशोक कुमार तिवारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अशोक कुमार तिवारी ने कहा कि मणिपुर की मानवता को शर्मसार करने वाली घटना पर मुख्यमंत्री का बयान कि ऐसी वहुत सी घटनाएं हो चुकी हैं एवं हरियाणा की अमानवीय हिंसा पर मुख्यमंत्री का बयान कि सरकार के पास इतना पुलिस बल नहीं कि सभी को पुलिस सुरक्षा दी जा सके। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के गैरजिम्मेदाराना बयान जनसामान्य में असुरक्षा की भावना के साथ ही भय का माहौल भी पैदा कर रहे हैं।

श्री तिवारी ने कहा कि भाजपा शासन पूरी तरह हुआ नाकाम और डबल इंजन की सरकार पूरी तरह से फेल।

अब 2024 में देश की जनता दिखाएगी अपना खेल।

श्री तिवारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की जनता निर्णायक भूमिका का निर्वहन करेगी, पी. डी. ए. हराएगा एन. डी. ए. को ऑर इंडिया जीतेगा।

युवा मंच ने सीएम योगी आदित्यनाथ को भेजा पत्र

संवाददाता

लखनऊ। 7 अगस्त से शुरू हो विधानमंडल के मानसून सत्र के मद्देनजर युवा मंच संयोजक राजेश सचान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र ट्वीट कर मांग की है कि सदन में रोजगार अधिकार विधेयक लाया जाए जिसके तहत न्यूनतम वेतनमान पर सभी लोगों के रोजगार की गारंटी सरकार करे। इसके अलावा मांग की गई है कि सरकार यह भी आश्वस्त करे कि प्रदेश में सरकारी आंकड़ों के अनुसार परिषदीय विद्यालयों में रिक्त 1.26 लाख, अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में 16730, शासकीय माध्यमिक विद्यालयों में 12 समेत विभिन्न विभागों में रिक्त 6 लाख से ज्यादा पदों को आम चुनावों तक भरा जाएगा जिसका वादा विधानसभा चुनावों में 2017 व 2022 में किया गया था।

6 अगस्त को 11: 00 बजे प्रेस क्लब में होगी प्रेस वार्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एजुकेशनल चौरिटेबल ट्रस्ट (शराबबंदी संघर्ष समिति) केंद्रीय कार्यालय लखनऊ एक बैठक हुई बैठक में स्वतंत्र भारत और मौजूदा हालात के परिप्रेक्ष्य में बदलती सामाजिक और राजनितिक स्थिति पर, लखनऊ के प्रेस क्लब में एक विशेष प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम रविवार दिनांक – ६९८९ २०२३ को प्रातः ११ बजे से आरम्भ होगा। कार्यक्रम में सभी राजनैतिक एवं सामाजिक संगठनो को आमंत्रित किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुर्तजा अली (अध्यक्ष – शराब बंदी संघर्ष समिति एवं सदर – पीस एजुकेशनल ट्रस्ट) तथा संचालक डॉक्टर रुवैदा जमीर खान (अध्यक्ष इमामिया एजुकेशनल ट्रस्ट) द्वारा की जा रही है। कार्यक्रम के संयोजक मोहम्मद आफाक मोहम्मद शाहिद सिद्दीकी परवेज आलम है कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वामी प्रसाद मौर्या (पूर्व कैबिनेट मिनिस्टर) , हरिपाल सिंह जग्गी (पूर्व राजमंत्री), प्रो। सुलैमान साहब, डॉ मंजूर अहमद साहब, (रिटायर आईपीएस) रोहित अग्रवाल (राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता), धर्मगुरु और सभी सामाजिक और राजनैतिक संगठनों की भागेदारी से मौजूदा हालात पर चर्चा होगी।

लोकसभा 2024 के लिए 20 सांसदों का कट सकता है टिकट

संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा 2024 चुनाव के लिए बीजेपी ने यूपी में मिशन 80 का लक्ष्य रखा है। 2014 और 2019 की तरह इस बार भी बीजेपी को उम्मीद है कि यूपी के सहारे वह दिल्ली की कुर्सी पर काबिज होगी। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए बीजेपी पूरी तरीके से जोर आजमाइश में जुटी हुई है। बीजेपी लगातार मिशन 80 के लिए अपने सांसदों का इंटरनल सर्वे करा रही है। इस बार बीजेपी ने लगभग 3 महीने पहले ही इंटरनेशनल शुरू करा दिए। पार्टी सूत्रों की माने तो अब तक दो इंटरनेशनल किए जा चुके हैं। इस सर्वे की रिपोर्ट तीन बातों के आधार पर बनाई गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, उम्र के चलते कई सांसदों के टिकट इस बार करते हुए नजर आ रहे हैं। जिसमें रीता बहुगुणा, जोशी सत्यदेव पचौरी, संतोष गंगवार, हेमा मालिनी, वीके सिंह, अक्षय वर लाल गौड़, राजेंद्र अग्रवाल के नाम शामिल हैं। परफॉर्मेंस और क्षेत्र में कम लोकप्रियता के आधार पर भी कई टिकट सांसदों के करते हुए नजर आ रहे हैं। जिसमें देवेंद्र सिंह भोले, आर के पटेल, केसरी देवी पटेल विजय दुबे, उपेंद्र रावत, मुकेश राजपूत, बीपी सरोज, रमेश चंद बिंद, संगम लाल गुप्ता, वरुण गांधी, बृजभूषण शरण सिंह, मेनका गांधी, जय प्रकाश रावत के नाम शामिल हैं।

ईको टूरिज्म को बढ़ावा दे रही सरकार : जयवीर

संवाददाता

लखनऊ। ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए रानीपुर टाइगर रिजर्व में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए 169.39 लाख रूपये की धनराशि से पहुंच मार्ग, पार्किंग, इण्टरप्रेटेशन सेंटर, लैंडस्केपिंग, एडवेन्चर स्पोर्टस आदि कार्य जा रहे हैं। यूपी में ईको टूरिज्म के क्षेत्र में अपार संभावनायें हैं। राज्य सरकार इसके दोहन एवं प्रोत्साहन के लिए अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दे रही है, ताकि अधिक से अधिक पर्यटकों को ईको टूरिज्म स्थलों तक लाया जा सके। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति जयवीर सिंह ने बताया कि जनपद चित्रकूट के आसपास के क्षेत्रों को समेटे हुए रानीपुर टाइगर रिजर्व में अनेक दर्शनीय स्थल, पशु पक्षी तथा वन्य जीव बहुतायत संख्या में पाये जाते हैं। रानीपुर वन्य जीव बिहार करीब 230 वर्ग किमी क्षेत्रफल में फैला हुआ है। इसके अलावा 16620 वर्ग किमी वन क्षेत्र के साथ यूपी में अनेक रमणीक एवं मनोरम स्थल है। प्रदेश में प्राकृतिक विरासत के साथ आध्यात्मिक एवं धार्मिक पर्यटन स्थल भी हैं। लुभावने सुंदर झरने एवं बड़ी संख्या में पक्षियों एवं वन्यजीव के स्थल भी हैं। प्रदेश की जैव विविधता को संरक्षण प्रदान करने के लिए एक राष्ट्रीय उद्यान, 11 वन्य जीव अभ्यारण्य और 24 पक्षी अभ्यारण्य प् स्थित है। राज्य सरकार प्राकृतिक धरोहरों को पर्यटन के नक्शे पर लाकर ईको टूरिज्म को सैलानियों के लिए पसंदीदा स्थल के रूप में पेश करने के लिए प्रयासरत है। पर्यटकों के आवागमन से स्थानीय निवासियों को रोजगार के साथ होटल कारोबारियों को लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ईको टूरिज्म की असीमित संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए राज्य सरकार ने ईको टूरिज्म बोर्ड का गठन किया है। इसमें राज्य सरकार के कई विभाग सहयोग कर रहे हैं। ईको टूरिज्म की तरफ पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए टाइगर रिजर्व के अंतर्गत बाघों के संरक्षण के लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं दुधवा टाइगर रिजर्व के अलावा प्रदेश में 2 नए टाइगर रिजर्व स्थापित किये गये हैं।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।